MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियर: वर्ष:4 : अंक: 45 | ग्वालियर, मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

शर्मनाक! भारत में खत्म हुई जो बीमारी पाकिस्तान में बनी महामारी

इस्लामाबाद- भारत ने जिस बीमारी पर पहले ही काबू पा लिया है पाकिस्तान अब भी उससे संघर्ष कर रहा है। यह बीमारी है पोलियो। पाकिस्तान में पोलियो के नए मामले सामने आने के बाद शरीफ सरकार ने देशभर में सोमवार को नया टीकाकरण अभियान शुरू किया है ताकि देश के 4.5 करोड़ बच्चों को पोलियो की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके। पाकिस्तान में नियमित रूप से टीकाकरण अभियान संचालित किया जाता है लेकिन स्वास्थ्य कर्मियों और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने वाले पुलिस कर्मियों पर आतंकवादी हमले होते रहते हैं। पाकिस्तान उन गिने चुने देशों में शामिल हैं जहां अब तक पोलिया खत्म नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाहकार आयशा रजा फारूक ने बताया कि पोलियो के मामलों में वृद्धि हो जाने के कारण इस साल तीसरी बार टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है जो रविवार तक जारी रहेगा। उन्होंने एक बयान में कहा कि इस बार हम पोलियो से लड़ने के लिए और जोर-शोर से अभियान चला रहे हैं। फारूक ने बताया कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को घर-घर जा कर टीकाकरण किया जाएगा तथा उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन ए की खुराक दी जाएगी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में स्वास्थ्य कर्मियों से मुलाकात की थी और उनसे कहा कि वह घर-घर जाकर पोलियो के लिए टीका लगाएं जिससे कोई भी बच्चा वंचित ना रह सके। फारूक ने बताया कि इस साल अब तक पाकिस्तान के 71 जिलों में पोलियो के 41 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकतर मामले दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान और दक्षिणी सिंध प्रांत से सामने आए हैं। इसके बाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और पूर्वी पंजाब प्रांत से मामले सामने आए हैं।

दिवाली से पहले ही रिकॉर्ड प्रदूषण

देश के अनेक राज्यों में और दर्जनों शहरों में वायु प्रदूषण रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। दिल्ली में तीन सौ की सीमा पार।

नई दिल्ली ■ एजेंसियां/डेस्क

दिवाली से चार दिन पहले ही देश के अनेक राज्यों में और दर्जनों शहरों में वायु प्रदूषण रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक तीन सो की सीमा पार कर बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया है और आशंका है कि अगले चार दिन में यह खतरनाक स्तर पर पहुंच जाएगा। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई तीन सो से ज्यादा होने के बाद दिल्ली में ग्रेडड रिस्पांस एक्शन प्लान यानी ग्रेप का दूसरा चरण लागू कर दिया गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक रविवार, 27 अक्टूबर को देश के कम से कम 25 शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई तीन सो से ज्यादा हो गया। इनमें राजधानी दिल्ली के साथ साथ गाजियाबाद और नोएडा दोनों शामिल हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश और हरियाणा के ज्यादातर शहरों में एक्यूआई तीन सो की सीमा को पार कर चुका है। दिल्ली से सटे हरियाणा का भिवाड़ी रविवार को देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा। भिवाड़ी में एक्यूआई 610 पहुंच गया। यह खतरनाक से भी ऊपर की श्रेणी है।

फोटो-एएनआई

राजधानी दिल्ली में तापमान कम नहीं हो रहा है और वायु गुणवत्ता सूचकांक कई जगह चार सो पहुंच गया है। इससे दिल्ली गैस चेंबर बन गई है। रविवार की सुबह आनंद विहार में एक्यूआई चार सो ज्यादा रिकॉर्ड किया गया था। रविवार सुबह ऐसी तस्वीरें सामने आईं, जिनमें आगरा में प्रदूषण और धुंध के चलते ताजमहल धुंधला नजर आया। मुंबई के मरीन ड्राइव में भी सुबह धूल और धुएं की परत देखी गई। यह स्थिति दिवाली से चार दिन पहले थी। अगले चार दिन में दिवाली के बाद इसमें बड़ा इजाफा हो सकता है।

इस बीच, दिवाली से पहले दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, डीपीसीसी ने एक जनवरी 2025 तक पटाखों पर पाबंदी लगा दी है। सरकार के आदेश के मुताबिक पटाखे बनाने, उन्हें स्टोर करने, बेचने और इस्तेमाल पर बैन है। इतना ही नहीं पटाखों की ऑनलाइन डिलीवरी भी प्रतिबंधित रहेगी। इसमें ग्रीन पटाखे भी शामिल हैं। इस बैन को सख्ती से लागू कराने की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। दिल्ली पुलिस रोज इसकी रिपोर्ट डीपीसीसी को सौंपेगी।

दिल्ली में एक्यूआई तीन सो पार होने के बाद दिल्ली और एनसीआर में ग्रेप का दूसरा चरण लागू कर दिया गया है। इसके तहत कई तरह की पाबंदियां लगा दी गई हैं। सड़कों पर धूल कम करने के लिए पानी का छिड़काव किया जा रहा है। डस्ट रिपीलेंट का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। किसी तरह का बायोमास जलाने पर पूरी तरह से पाबंदी है।

■ हरि शंकर व्यास

-अपन तो कहेंगे!

अमेरिका क्या बरबादी न्योतेगा?

यों कोई भी देश हार्ट अटेक से नहीं मरा करता। सभ्यता-संस्कृति अचानक मुर्दा नहीं बनती। सभ्यता-संस्कृति की मोत की वजह हमेशा असुरी-बर्बर सेनाएं हैं। इसलिए डोनाल्ड ट्रंप, हिटलर पैदा हो जाएं तो वह राष्ट्र विशेष बरबाद जरूर होगा पर मरेगा नहीं। बावजूद इसके अमेरिका में जरासंध यदि राष्ट्रपति हुआ तो उसका विभाजित और खोखला होना तय है। पुतिन, शी जिनफिंग, किम जोंग उन, तालिबानी आदि उन सभी असुरी शेतानों की पौ बारह होगी जो अवसर की प्रतिक्षा में हैं। याद रखें ट्रंप ने ही तालिबानियों को न्योत कर उनसे करार किया था। क्या परिणाम निकला? तालिबानी पूरे अहंकार से अफगानिस्तान में काबिज हैं। इसलिए डोनाल्ड ट्रंप उस सनक, उस अहमन्यता का प्रतीक हैं, जिसके 'मैं' में अमेरिका केद होगा। उनको इस चुनाव में ईसाई केथोलिक, कट्टरपंथी गोरों के धुव्रीकरण से शक्ति प्राप्त है। इसकी धुरी में यह विचार है कि कुछ भी हो जाए एक अश्वेत, महिला तथा मूल दक्षिण एशियाई चेहरे (सभ्यता-संस्कृति में बाहरी) को अमेरिका का राष्ट्रपति नहीं बनने देना है!

तभी पिछले डेढ़ महीने में अमेरिका में वह होता हुआ है, जिसकी कल्पना नहीं थी। मैंने आम धारणा के विपरीत 2020 में डोनाल्ड ट्रंप बनाम बाइडेन के मुकाबले में बाइडेन के जीतने की संभावना मानी थी। तब लिखते हुए मेरा तर्क था कि अमेरिका में स्वतंत्रता-बुद्धि का विवेक चुनाव में लौटा है। खतरे की चिंता में उन्हें हराने का भभका एक शक्ल पा गया है। वैसा इस बार भी, कमला हैरिस की उम्मीदवारी घोषित होने के बाद था। और मेरा अब भी मानना है कि आम जनता के वोटों, पोपुलर वोट में कमला हैरिस की हवा होगी लेकिन वे इलेक्टोरल वोटों याकि राज्यवार विशिष्ट मतदाता समूहों के प्रतिनिधियों में ट्रंप से आगे रहेंगी, इसके शक है।

ट्रंप का जीतना अमेरिका के लिए आत्मघाती होगा और दुनिया के लिए बुरा। अमेरिका में ट्रंप उर्फ जरासंध का नए रूप, नई जिद से शासन होगा! वे देश के भीतर अपने 'दुश्मनों' से बदला लेंगे। अमेरिका को तेरे-मेरे में बांटेंगे। कट्टरपंथी गोरे, कैथोलिक ईसाई धर्म के नाम पर वह व्यवहार, वे प्राथमिकता बनाएंगे, जिससे अमेरिका का मूल आधार बिखरेगा! अमेरिकी सभ्यता-संस्कृति का मूल आधार व्यक्ति की स्वतंत्रता, सभी को समान अवसर तथा बुद्धि-ज्ञान-विज्ञान, उद्यमशीलता और सृजनात्मकता से समाज, प्रशासन तथा नागरिक जीवन का संचालन है। अमेरिकी राजनीति की खूबी है जो अनुदारवादी रिपब्लिकन और उदारवादी डेमोक्रेटिक दो पार्टियों में जनमानस के लिए समय-समय पर ऑल्टरनेटिव विकल्प उपस्थित होता है। और कोई भी राष्ट्रपति आठ वर्ष से अधिक व्हाइट हाउस में नहीं रह सकता। इसलिए सियासी प्रतिस्पर्धाओं, नेताओं के अहंकार के बावजूद न कोई राष्ट्रपति हमेशा के लिए चक्रवर्ती राज का जरासंध जैसा सपना पाल सकता है और न बुद्धि और लोक चेतना पर ताले लग सकते हैं।

मैं रिचर्ड निक्सन-जेराल्ड फोर्ड और जिमी कार्टर के समय से अमेरिका के हर राष्ट्रपति चुनाव को ऑब्जर्वर करता रहा हूं। हर चुनाव के आगे पीछे चुनाव पर लिखा भी है। इस दौरान के दस राष्ट्रपतियों में डोनाल्ड ट्रंप वह शख्स हैं, जिससे आशा और निराशा का भंवर बना। और वह भंवर अब अमेरिका का भंवर होता लगता है। लाख टके का सवाल है डोनाल्ड ट्रंप से अमेरिका वापिस विभाजित केसे हुआ? जबकि पिछले चार वर्षों में यानी छह जनवरी 2020 को अमेरिकी संसद पर हमले से लेकर डोनाल्ड ट्रंप पर दायर मुकद्मों का चिट्ठा जगजाहिर है। साथ ही ट्रंप खुले आम वह सब बोल रहे हैं, जो अमेरिकी-पश्चिमी सभ्यता-संस्कृति के उन मूल्यों, प्राथमिकताओं और तासिर के खिलाफ है, जिन्हें उसने पुनर्जागरण के बाद अपनाया है। अमेरिका को वे मध्यकाल के चर्च-राज्य की साझा राजनीति में ले जा रहे हैं। अमेरिकी संविधान, व्यवस्था, संस्थाओं की स्वतंत्रता, चेक-बैलेंस की जगह उन्हें हिटलरशाही रास है। वे सबको ठोक देने, सबको देख लेने की ऐसी बातें कर रहे हैं, जो नस्लीय हैं, बदले की भावना में हैं। तभी अमेरिका फर्स्ट की जगह रियलिटी ट्रंप फर्स्ट की है।

इसलिए मैं बार-बार यह भी बूझ रहा हूं कि अमेरिकियों में मन ही मन क्या डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चिढ़, नफरत नहीं हुई होगी? ट्रंप बनाम बाइडेन के मुकाबले में उम्र के तकाजे में लोगों के दिल-दिमाग में बाइडेन क्लिक नहीं थे और उन्होंने अचानक अपनी जगह कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया तो स्वयंस्फूर्त चौतरफा कमला हैरिस की वाह बनी। वह केसे डोनाल्ड ट्रंप की उजड़ता के बावजूद मिटी मानी जा रही है? चुनाव कोई भी हो, कहीं भी हो, उसमें भावनाओं के अखाड़े ही हुआ करते हैं। अमेरिका जैसे विकसित देशों में बौद्धिक चेतना का जरूर रोल हुआ करता है। इस नाते अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ भावना उपस्थित तो दिखती है। ट्रंप को हर हाल में हराने की चाहना में ही बाइडन ने रिटायर हो कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया। डेमोक्रेटिक पार्टी ने झूमते हुए ठप्पा लगाया। पार्टी का हर पूर्व राष्ट्रपति, सभी बड़े नेता कमला हैरिस का प्रचार कर रहे हैं।

मेरा मानना है इसमें कमला हैरिस का जादू कम है और डोनाल्ड ट्रंप को हराने के इरादे का जज्बा अधिक है। तभी यह अकल्पनीय बात है कि पूंजीपतियों की पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप को चंदा कम मिला है, जबकि कमला हैरिस को रिकॉर्ड तोड चंदा मिला है। कमला हैरिस को जितनी हस्तियों ने मंच पर आ कर समर्थन दिया है वह भी एक रिकॉर्ड है। कमला हैरिस के भाषण प्रभावी हैं। चुनाव खर्च, संसाधन, कार्यकर्ता अधिक हैं। उनकी सभाओं में भीड़ ज्यादा है। वे मेहनत अधिक कर रही हैं। खूब सभाएं हो रही हैं। इस सप्ताह उस टेक्सास राज्य में उनकी सभा थी, जो रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ है। लेकिन गर्भपात के मुद्दे पर कमला हैरिस और उनकी टीम की शायद रणनीति है कि पूरे देश में महिलाएं जब अपने शरीर को ले कर निज फैसले के लिए आंदोलित हैं तो रिपब्लिकन पार्टी के गढ़ वाले राज्यों में भी महिलाएं उन्हें वोट देंगी!

इतना ही नहीं कमला हैरिस के लिए रिपब्लिकन पार्टी के प्रभावी चेहरे भी प्रचार करते हुए हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी, लिबरल, वामपंथी, अश्वेत, महिलाओं आदि के सभी उदारवादी वोटों का समूह पूरी तरह कमला हैरिस के पक्ष में है। इनमें से डोनाल्ड ट्रंप याकि रिपब्लिकन पार्टी की ओर वोट शिफ्ट नहीं होने हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के वोट समूह में से खुल कर या मन ही मन कमला हैरिस के लिए वोट करने वाली भीड़ है। इतना ही नहीं डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के चीफ ऑफ द स्टाफ से लेकर पूर्व सेनाधिकारी ट्रंप को फासिस्ट, हिटलरवादी बतलाते हुए मतदाताओं से अपील कर रहे हैं कि घर बैठें लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को वोट नहीं दें।

और यह सत्य भी सामने है कि लोग उन निर्णायक राज्यों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान कर रहे हैं, जहां वोटिंग चालू है।

ठीक दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ऐसे आत्मविश्वास मे हैं, जो कह रहे हैं कि मैं जीतने के बाद शपथ से पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध रूकवा दूंगा! जेलेंस्की-यूक्रेन तो गया! पद संभालते ही जैक स्मिथ (ट्रंप के खिलाफ अभियोजक) बरखास्त। मिलियंस प्रवासी घुसपैठियों को मेक्सिको में धकेलेंगे! एक साल में ईंधन की कीमतें आधी करेंगे आदि, आदी। मतलब माहौल, अनुमानों, मुद्दों, एजेंडे सब का मानों ट्रंप द्वारा टेकओवर!

दरअसल अमेरिका में दोनों पार्टियों, दोनों उम्मीदवारों के समर्थकों के वोट लगभग बराबर संख्या में पहले से तयशुदा हैं। इसलिए फैसला दोनों से अप्रतिबद्ध, तटस्थ, दुविधा और अनिश्चय से आखिरी समय में फैसला लेने वाले मतदाताओं से होना है। इन्हीं के लिए अब ट्रंप और कमला हैरिस की कैंपेनिंग है। इन्हें ले कर धारणा है कि इन्हें जिंदगी के रियल इश्यू रोटी, कपड़ा, मकान, महंगाई से मतलब है। बाइडेन के राज में महंगाई बहुत हुई तो इसके चलते ये ट्रंप को वोट देंगे।

-शेष हाल-फिलहाल पेज पर

समाचार फटाफट

फर्जी फोन कॉल को लेकर मोदी ने दी सीख

नई दिल्ली। केंद्रीय एजेंसियों के नाम पर फर्जी फोन करके, नागरिकों को ठगने, उन्हें डिजिटल अरेस्ट करके पैसे मांगने जैसी घटनाओं को लेकर अब सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को आगाह किया है। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में रविवार, 27 अक्टूबर को लोगों को इसके बारे में विस्तार से समझाते हुए कहा कि कोई भी केंद्रीय एजेंसी नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है और न पैसे मांगती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इस मासिक कार्यक्रम में रविवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल और बिरसा मुंडा को भी याद किया, जिनकी डेढ़ सोवीं जयंती मनाई जाएगी।

बहरहाल, प्रधानमंत्री ने डिजिटल अरेस्ट जैसे फ्रॉड से बचने के लिए तीन स्टेप रुको, सोचो और एक्शन लो अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा- कॉल आते ही रुकें। घबराएं नहीं, शांत रहें, जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं, किसी को अपनी निजी जानकारी न दें। स्क्रीन शॉट लें और रिकॉर्डिंग जरूर करें। दूसरा चरण है- सोचो। कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर धमकी नहीं देती, वीडियो कॉल पर पूछताछ नहीं करती, न पैसे मांगती है। अगर ऐसा है तो समझिए कुछ गड़बड़ है। इसके बाद तीसरा चरण एक्शन लो करें। इसके तहत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 डायल करें।

बांद्रा टर्मिनस पर भगदड़ में 10 घायल

मुंबई। त्योहारों से पहले देश भर के रेलवे स्टेशनों पर भगदड़ के हालात हैं। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस पर रविवार की सुबह बड़ी भगदड़ मच गई, जिसमें 10 लोग घायल हो गए हैं। स्टेशनों पर भीड़ रोकने के लिए कई जगह रेलवे ने प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री रोक दी है ताकि सिर्फ यात्री ही स्टेशनों पर जाएंगे। इसके बावजूद यात्रियों की ही भीड़ इतनी ज्यादा हो रही है कि उन्हें संभालना मुश्किल हो रहा है।

बांद्रा टर्मिनस पर घायल 10 यात्रियों में से पांच का इलाज चल रहा है और तीन घायलों को छुट्टी दे दी गई है। भाभा अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीएमओ डॉ सुशील के मुताबिक दो यात्री गंभीर रूप से घायल थे, जिनको केईएम अस्पताल भेजा गया है। हादसा प्लेटफॉर्म नंबर एक पर सुबह करीब छह बजे हुआ। अधिकारियों ने बताया कि प्लेटफॉर्म पर गोरखपुर-बांद्रा एक्सप्रेस आई थी, उसमें चढ़ने के लिए यात्रियों के बीच भगदड़ मच गई। सभी घायलों की पहचान हो गई है।

बांद्रा टर्मिनस पर मची भगदड़ पर उद्धव ठाकरे गुट की शिव सेना के नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- काश कि रील मिनिस्टर एक रेल मंत्री होते। बांद्रा की घटना यही दिखाती है कि मोजूदा रेल मंत्री कितने अक्षम हैं। उन्होंने लिखा है- बीजेपी ने चुनावों के लिए अश्विनी वैष्णव को महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया है, लेकिन हर हफ्ते रेलवे के साथ कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है। यह कितनी शर्म की बात है कि हमारा देश ऐसे अक्षम मंत्रियों के हाथ में है।

जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा होगा

कानूनी बदलावों पर संसद से अनुमोदन लिया जाएगा। नवंबर के आखिर में शुरू हो रहे संसद सत्र में प्रस्ताव।

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो

जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने पर केंद्र सरकार सहमत हो गई है। इसके लिए नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में इसका प्रस्ताव लाया जाएगा। हालांकि लद्दाख का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा बरकरार रहेगा। गौरतलब है जम्मू कश्मीर के नव नियुक्त मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 23 अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह और 24 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह किया था।

उमर अब्दुल्ला की सरकार ने कैबिनेट की पहली बैठक में जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पास किया था। इस प्रस्ताव को 19 अक्टूबर को उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी मंजूरी दे दी थी। उमर अब्दुल्ला यह प्रस्ताव लेकर दिल्ली आए थे। उमर को इसी साल राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन मिला है। गौरतलब है कि 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए हटाते समय जम्मू कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इसे दोहराया था।

जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। इसके लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा। संसद मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की अधिसूचना जारी हो जाएगी। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद पुलिस और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकार के पास आ जाएगी। साथ ही भूमि, राजस्व और प्रशासनिक अधिकारियों के ट्रांसफर, पोस्टिंग का अधिकार भी राज्य सरकार को मिल जाएगा। सरकार चलाने में तब राज्यपाल का दखल नहीं होगा।

भारत-चीन संबंधों में तनाव कम करना अगला कदम

मुंबई ■ नया इंडिया ब्यूरो

भारत और चीन के सैनिकों की वापसी, अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति बहाली और गश्त शुरू होने के बाद तनाव कम करना अगला कदम होगा। दोनों देशों के बीच समझोते के तहत सैनिकों की वापसी शुरू हो गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने रविवार को कहा कि सैनिकों की वापसी पहला कदम है। अगला कदम तनाव कम करना है। मुंबई में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा- दोनों देशों के बीच तनाव तभी कम होगा, जब भारत को यकीन न हो जाए कि चीन भी ऐसा ही चाह रहा है। तनाव कम करने के बाद, सीमा का प्रबंधन कैसे किया जाए, इस पर चर्चा की जाएगी।

एक दिन पहले शनिवार को पुणे में एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा था कि भारत सरकार का अपनी बात पर अड़े रहना काम आया। उन्होंने कहा था- आज हम जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके दो कारण हैं। पहला, हम अपनी बात से पीछे नहीं हटे, यह केवल इसलिए संभव हो सका क्योंकि सेना देश की रक्षा के लिए हर मौके पर डटी रही और कूटनीति ने अपना काम किया। दूसरा, पिछले एक दशक में हमने अपने बुनियादी ढांचे में भी सुधार किया है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में चार साल से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। गलवान घाटी में जून 2020 में हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों की सेना डटी थी।

रविवार को 50 उड़ानों को धमकी

नई दिल्ली। भारतीय विमानन कंपनियों की उड़ानों को बम से उड़ा देने की धमकी देने का सिलसिला थम नहीं रहा है। रविवार को भारत की तीन विमानन कंपनियों की 50 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। रविवार को जिन उड़ानों को धमकी मिली उनमें इंडिगो की 18, विस्तारा की 17 और अकासा की 15 उड़ानें शामिल हैं। इस तरह पिछले दो हफ्ते में साढ़े तीन सो से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बम होने की धमकी मिल चुकी है। हालांकि जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकली हैं।

गौरतलब है कि एक दिन पहले केंद्र सरकार ने इन धमकियों को लेकर कई कदम उठाए हैं। सुरक्षा प्रोटोकॉल में भी बदलाव किया गया है। सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 26 अक्टूबर को एडवाइजरी जारी कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी चेतावनी दी और कहा कि अगर वे ऐसी झूठी सूचनाओं को फौरन नहीं हटाते हैं तो उन्हें आईटी एक्ट के तहत मिलने वाली इम्युनिटी रद्द कर दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी सूचनाओं को तुरंत हटाकर इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी देनी होगी।

अमेरिका ने ईरान को दी चेतावनी

नई दिल्ली ■ नया इंडिया ब्यूरो

ईरान पर इजराइल के हवाई हमले के बाद अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह जवाबी हमला करने के बारे में नहीं सोचे। असल में हमले के बाद ईरान ने कहा था कि उसे पलटवार करने का पूरा हक है। इस पर अमेरिका ने ईरान को इजराइल के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं करने की चेतावनी दी है। अमेरिका ने इजराइली हमले के बाद यह भी साफ किया कि वह इसमें किसी भी तरह शामिल नहीं था।

इसके बाद शनिवार को देर रात अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने ईरान को चेतावनी दी है वह इजराइल पर पलटवार की भूल न करें। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच टकराव को अब तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी ईरान पर हुए हमले के बाद टकराव खत्म करने की अपील की है। उन्होंने कहा- इजराइल ने सिर्फ सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि ये दोनों के बीच टकराव का अंत है।

इससे पहले ईरान ने दावा किया है कि इजराइल ने शनिवार को हमले के लिए इराकी एयरस्पेस का इस्तेमाल किया, जो अमेरिका के नियंत्रण में है। इजराइल ने इस आरोप पर कुछ भी कहने से इनकार किया है। हालांकि अमेरिका ने कहा- हमें सिर्फ ऑपरेशन की जानकारी दी गई थी। हम किसी भी तरह से इसमें शामिल नहीं थे। इराक ने भी अपना एयरस्पेस इस्तेमाल होने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइली हमले ने ईरान को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। साथ ही अपने सभी टारगेट्स को हासिल किया है। दूसरी ओर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने भी इस पर पहली बार बयान दिया। खामेनेई ने कहा- इजराइल के हमले को न तो बढ़ा चढ़ाकर बताना चाहिए और न ही इसे कमतर समझना चाहिए। गौरतलब है कि इजराइल ने शनिवार, 26 अक्टूबर को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमला किया था। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए महिला फाइटर पायलटों को भी मिशन पर भेजा गया था। इजराइल डिफेंस फोर्सेस, आईडीएफ ने इस हमले की तस्वीरें और वीडियो जारी कर ईरान के खिलाफ चलाए ऑपरेशन 'डेज ऑफ रिपेंटेंस' यानी पछतावे के दिनों की जानकारी दी है।

अखिल भारतीय सिर्वी महासभा मध्यप्रदेश का पेशेवर व कर्मचारियों का प्रान्तीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ

शिक्षा ही समृद्ध समाज का आधार स्तंभ है: डिप्टी कमिश्नर इन्कमटैक्स विनोद सीरवी

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बड़वानी। अखिल भारतीय सिर्वी महासभा मध्य प्रदेश के तत्वावधान में 27 अक्टूबर रविवार को सिर्वी इन्टरनेशनल स्कूल करी बड़वानी में समाज का प्रांतीय स्तरीय पेशेवर एवं कर्मचारीयों का सम्मेलन डिप्टी कमिश्नर श्रम विभाग आशीष पालीवाल इन्दौर,डिप्टी कमिश्नर इन्कमटैक्स विनोद चौधरी उदयपुर राजस्थान, एसडीएम रमेश चौधरी मावली राजस्थान,अखिल भारतीय सिर्वी महासभा पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष एवं नईदुनिया अधिमान्य पत्रकार कैलाश मुकाती वीआईपी, ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉक्टर प्रकाश बरफा, आबकारी निरीक्षक मोहनलाल भायल किशनगढ़, असिस्टेंट कमिश्नर स्टेट जीएसटी हेमन्त गेहलोत इन्दौर, एलआइसी विकास अधिकारी मोहन बरफा कोणदा,इसरो वैज्ञानिक संतोष लछेटा गंगवाड़ा, सब इंस्पेक्टर कैलाशचंद्र लछेटा कंकराज, शासकीय अधिवक्ता इन्दौर हाईकोर्ट राहुल सोलंकी जाजमखेड़ी, सिजेन्टा बिजनेस मेनेजर गजराज राठौर रुपगढ़, सीनियर डाटा इंजीनियर अश्विन अगल्चा भागसुर, कन्ट्रक्शन ठेकेदार अर्जून अगल्चा कुक्षी, पंचकर्म चिकित्सा डॉक्टर राहुल भायल बिरियाखेड़ी, रिलेशनशिप कोच एवं इमोशनल इन्टेलिजेन्ट एक्सपर्ट विकास चौधरी रिंगनोद,द केटरिंग कम्पनी प्रोपराइटर लोकेश बरफा इन्दौर, हेड कांस्टेबल रितु लछेटा रमठान,गोल्ड मेडलिस्ट डॉक्टर शीला अगल्चा नागलवाड़ी, सीए रितिका सिंदड़ा इन्दौर,अखिल भारतीय सिर्वी महासभा प्रान्तीय अध्यक्ष सीए भगवान लछेटा, महासचिव कान्तिलाल गेहलोत, महिला संगठन प्रान्तीय अध्यक्ष अनिता चोयल, बड़वानी जिलाध्यक्ष दिनेश चौधरी, महिला संगठन जिलाध्यक्ष कविता चौधरी के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सभी विभागों से प्रतिष्ठित सामाजिक अतिथियों ने मंच से जीवन में कैसे प्रतिष्ठा हासिल कर ऊंचाईयों पर पहुंचा जा सकता है वह गुड़ रहस्यों से समाजजनों को अवगत कराया। सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों ने आई माताजी का पूजन व आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया स्कूल की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। स्वागत उद्बोधन बड़वानी जिलाध्यक्ष दिनेश चौधरी ने दिया। प्रान्तीय महासचिव कान्तिलाल गेहलोत ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार रखे। सिर्वी इन्टरनेशनल स्कूल समिति अध्यक्ष हरिराम राठौर ने संचालित स्कूली गतिविधियों की रुप रेखा को प्रस्तुत किया। प्रान्तीय अध्यक्ष सीए भगवान लछेटा ने समाजजनों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा एवं प्रतिष्ठा से सुसज्जित समाजजनों से समाज को किसी न किसी रूप में लाभ अवश्य प्राप्त हो यही इस कार्यक्रम का वास्तविक उद्देश्य है। समारोह में शिक्षा जगत की जानी-मानी हस्ति राज्य स्तरीय अवार्ड प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षक जगदीश सोलंकी कोणदा को मंच से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक शेखर भायल, इंजीनियर अशोक राठौर, मुकेश गेहलोत, हरिराम राठौर के आव्हान पर समारोह में अपनी संस्थाओं के विज्ञापन दाता भामाशाहों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय समिति के वरिष्ठ सदस्य,विभिन्न सामाजिक ट्रस्ट व संस्थाओं के पदाधिकारी, प्रान्तीय, जिला व तहसील संगठन पदाधिकारी, महिला संगठन प्रान्तीय, जिला व तहसील पदाधिकारी, युवा संगठन प्रदेश प्रतिनिधि, जिला व तहसील पदाधिकारी सहित विभिन्न क्षेत्र के ग्रामीण इकाई पदाधिकारी व समाज के पंचगण ओर सक्रिय समाजसेवी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रान्तीय मीडिया प्रभारी हीरालाल सिर्वी, प्रोफेसर डॉ सुरेश काग व महेश्वर ट्रस्ट मीडिया प्रभारी जितेन्द्र लछेटा ने किया व आभार महिला संगठन जिलाध्यक्ष कविता चौधरी एवं सिर्वी इन्टरनेशनल स्कूल करी बड़वानी के प्राचार्य व जिला महासचिव गोविन्द भायल ने माना।

सरस्वती शिशु मन्दिर मुंगावली में सम्पन्न हुआ दीवाली मिलन समारोह

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता जितेंद्र राय

मुंगावली-नगर के सरस्वती शिशु मंदिर उ. मा. विद्यालय मुंगवली में आज दीवाली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि विद्यालय संचालन समिति अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी बाल विकास समिति के सचिव जगदीश शरण श्रीवास्तब , ओर समिति कोषाध्यक्ष प्रमोद चतुर्वेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बोलते हुए समिति कोषाध्यक्ष चतुर्वेदी ने बतलाया कि जिस तरह समिति ओर विद्या भारती आचार्यों के कल्याण और निरंतर उनकी उन्नति के विषय मे कार्य करती है उसी तरह आचार्य परिवार को भी हमेशा विद्यालय ओर भैया बहिन के उज्ज्वल भविष्य के बारे में कार्य करते रहना चाहिए । कार्यक्रम में भैया बहिनों द्वारा दीपक बनाओ ओर सजाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिनमे लगभग 70 भैया बहिनो ने सुंदर सुंदर दीपक बनाये ओर उन्हें सजाया भी समिति की तरफ से समस्त आचार्य परिवार को दीवाली के उपहार ओर मिष्ठान वितरित किया गया । कार्यक्रम का प्रारम्भ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन ओर बंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ आचार्य राधेश्याम उपाध्याय द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत मे आभार व्यक्त विद्यालय के प्राचार्य द्वारा सभी को दिवाली पर्व की शुभकामनाएं देने के साथ किया गया।

एफ पी ए आई के कार्यक्रम अधिकारी अच्छेंद्र कुशवाह का भिण्ड में हुआ सम्मान

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह द्वारा किया सम्मानित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। गीतांजलि गार्डन में उत्कृष्ट सम्मान समारोह कार्यक्रम 2024 में, ग्वालियर के एप.पी.ए.आई. के कार्यक्रम अधिकारी अच्छेंद्र कुशवाह को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्रीमान राकेश शुक्ला जी एवं भिंड विधायक श्रीमान नरेन्द्र सिंह कुशवाह जी द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर कलेक्टर भिंड एवं पुलिस अधीक्षक भिंड साथ ब्यूरो चीफ आकाश भदौरिया भी उपस्थित थे श्रीमान कुशवाह को सम्मान मिलने पर सभी ईस्ट मित्रों ने बधाई शुभकामनायें दी।

वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. अजय पटेल ने दीपोत्सव की बधाई दी

सीहोर। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. अजय पटेल ने समस्त प्रदेश वासियों और सीहोर जिला तथा इछावर विधानसभा क्षेत्र के समस्त नागरिकों को धनतेरस एवं दीपोत्सव दीपावली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पटेल ने देश, प्रदेश और सीहोर जिले की सुख समृद्धि तथा खुशहाली की कामना भी की है।

अलायंस क्लब ऑफ ललितपुर का शपथ ग्रहण समारोह 24 नवंबर 2024 दिन रविवार को संपन्न होगा

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

अलायंस क्लब ऑफ ललितपुर की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक एली असिद खान के निवास सदन शाह सिविल लाइन पर संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता एली अब्दुल नासिर मंसूरी क्लब अध्यक्ष ने की जिसमें क्लब सदस्यों ने 24 नवंबर 2024 दिन रविवार को क्लब का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न कराया जाएगा। जिसमें अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, सहित अतिथियों को तथा जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित के साथ नगर के सामाजिक, राजनीतिक ,व्यापारिक, पत्रकार बंधुओ को आमंत्रित किया जाएगा क्लब ने निर्णय लिया है कि दीपावली पर जरूरतमंद परिवारों को उपहार दिए जाएंगे और नवंबर, दिसंबर, जनवरी में नेत्र , स्वास्थ्य, शिविर जिला प्रशासन की सहयोग से प्राथमिक स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में संपन्न कराए जाएंगे तथा नए सदस्य बनाए जाएंगे एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए क्लब हमेशा सेवा के लिए रहेगा क्लब सदस्यों ने एली असिद खान का मीटिंग में शानदार नाश्ता के लिए आभार व्यक्त किया इस अवसर पर एली क्लब अध्यक्ष अब्दुल नासिर मंसूरी ,एली सचिव पंकज जैन ,एली पियूष गुप्ता कोषाध्यक्ष ,एली नदीम अहमद खान, एली रियाज़ खान, एली विनोद जायसवाल, एली असिद खान, सहित फोन पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति व्यक्त की सभा का सफल संचालन सचिव एली पंकज जैन ने किया आभार एली असिद खान ने व्यक्त किया।

सैनिकों की समस्याओं को जिला प्रशासन कर रहा नजर अंदाज 11 नवंबर से धरना

शहीदों को भूतपूर्व सैनिकों को सम्मान तो दूर दुव्यवहार कर रहे जिला अधिकारी

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भूतपूर्व सैनिकों ने फौजियों की जमीनों पर हो रहे कब्जे प्रशासन द्वारा निपटारा नहीं करना ,फौजी परिवारों को प्रताड़ति करने वालो पर पुलिस द्वारा प्राथमिकी तक दर्ज नहीं होना ,देश के लिए शहीद होने वाले जवानों के अंतिम संस्कार में जिला कलेक्टर तक का शामिल नहीं होना ,केंद्र सरकार रक्षा मंत्रालय की गाइडलाइन के बाबजूद भिंड जिले के शासकीय कार्यालयों में सैनिकों , भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं को प्राथमिकता नहीं देना तथा हाल ही में कैप्टन ज्ञानेंद्र सिंह रिटायर्ड तथा ग्वालियर चंबल संभाग अध्यक्ष अरविंद तोमर के साथ दुर्व्यवहार करना आदि को लेकर सिटी पैलेस में सैनिकों की पहले मीटिंग हुई उसके बाद पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया,पत्रकार वार्ता में भूतपूर्व सैनिक संघ जिला अध्यक्ष सूबेदार मेजर राकेश सिंह कुशवाह रिटायर्ड ने कहा जब जिले के कलेक्टर सैनिकों देशभक्तों को सम्मान नहीं दे रहे तो फिर अन्य की हम क्या बात करे हम फौजियों की जमीनों पर कब्जे हो रहे है,अमर शहीद पवन भदौरिया शौर्य चक्र को अभी तक सम्मान राशि तक नहीं मिल पाई उनके पिताजी से भी भिंड कलेक्टर ने अभद्रता की जो फौजी अपनी जवानी देश के सरहदों की रक्षा में खपा देता है,उनकी बात को नहीं सुनना अमानवीय ,इस अवसर पर सैनिक कल्याण संगठन के संभागीय अध्यक्ष अरविंद तोमर ने कहा कि भिंड कलेक्टर का शहीदों के अंतिम संस्कार में नहीं जाना फौजियों को सम्मान नहीं देना निंदनीय ,इस अवसर पर 11 नवंबर से भिंड कलेक्ट्रेट पर सैनिकों की समस्याओं के निराकरण होने तक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा ,इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिक समाज सेवी सुनील फौजी ने जिले के सैकड़ों समाज सेवियों की टीम की तरफ से सैनिक संघ के आंदोलन को समर्थन दिया इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्षअजमेर सिंह भदौरिया,ग्वालियर चंबल के संरक्षक रामवतार सिंह परमार,पूरन सिंह सिकरवार,राममिलन सिंह,रतन सिंह तोमर,कैप्टन जैमन सिंह ,हुकुम सिंह राजावत,महेंद्र प्रताप सिंह राजावत,राजेश सिंह भदौरिया,प्रताप भान सिंह,सहेश बघेल,रामलखन सिंह,पुष्पेश सिंह,मल्लेश्वर सिंह,जितेंद्र सिंह,गिरेंद्र सिंह,दयाशंकर मिश्रा,रमेश पाल, भूपेंद्र सिंह राजावत आदि वरिष्ठ पदाधिकारी पत्रकार वार्ता और मीटिंग के दौरान उपस्थिति रहे।

धनतेरस: धरती -धूप -पानी -हवा के संयोग से जन्मा धन मेरा नहीं, तेरा है

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

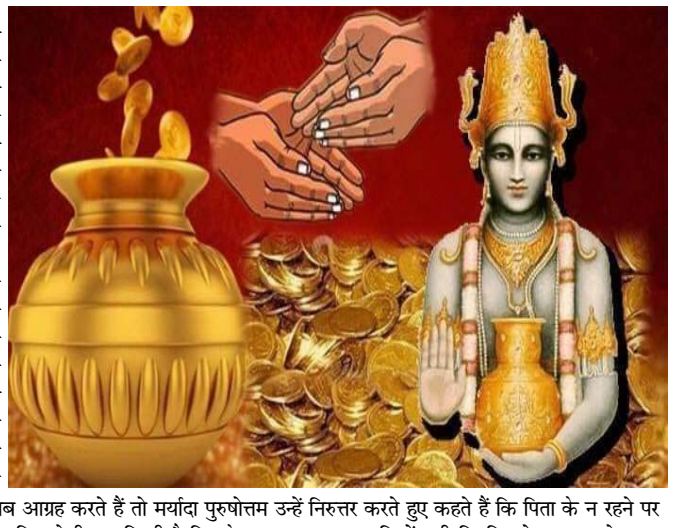

ललितपुर । धनतेरस के पावन पर्व पर आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए नेहरू महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो. भगवत नारायण शर्मा ने कहा कि कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी पर सागर मंथन में अमृत कलश के साथ प्रकट हुए आयु के वेद अर्थात स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मष्तिष्क के प्रतिष्ठापक भगवान् धन्वंतरि के अवतरणोत्सव का प्रेरक प्रसंग है। आयु की अवधि श्वांसो पर निर्भर है, न कि काल पर निर्धारित है। आयुर्वेद हमारी एक एक श्वांस - प्रश्वांस पर अर्जुन दृष्टि रखते हुए परिपूर्णता के साथ जीवन जीने का विज्ञान एवं कला का संयुक्त रूप है। आयुर्वेदिक उक्ति के अनुरूप यदि हम रोटी को पीने और दूध को खाने की कला के मर्म को जान जाएँ तो हम दौड़ते हुए चल सकते हैं। एकांत में गुनगुनाते हुए, अपने मानसिक बोझ से सहज ही मुक्त हो सकते हैं। हमारी संस्कृति में विपत्ति का सामना करने के लिए, संपत्ति को जरूरी बताया गया है। आसन्न महालक्ष्मी पूजन से दो दिन पूर्व धनतेरस मनाने का विधान यह संदेश देता है कि अर्जित धन मेरा नहीं, तेरा है। अर्थात धरती, धूप, आग, पानी, हवा की वाहिका श्रम की देवी लक्ष्मी का है। शास्त्रों में धन को द्रव्य कहा गया है। नदी की तरह द्रवणशीलता - तरलता ही धन का प्राणतत्व है। लोक व्यवहार में धन को हाथ का मैल कहा जाना भी न्यायसंगत है क्योंकि हाथ से काम करने पर श्रम का जो अर्क है, उसी का संचित रूप पसीना ही वस्तुतः हाथ का मैल - संपत्ति के अर्थ का द्योतक है। श्रम जीवित पूंजी है जो निर्जीव चल-अचल संपत्ति को जन्म देती है किन्तु यही मृत पूंजी सदियों से जीवित श्रम के पीछे हाथ धोकर पड़ी है । संस्कृत भाषा कितनी पारदर्शक है जो कहती है %कर% काम करने के लिए ही कर कहलाते हैं और कर से काम करने वाला ही सच्ची हँसी जीवन भर हँस सकता है, इसीलिए कर का दूसरा पर्यायवाची हस्त कहलाता है जिसमें हास धातु लगी है। वैदिक ऋषियों ने कहा है जो देवता अग्नि, वायु,जल तथा औषधियों और वनस्पतियों में है, उसी अद्वैत को मैं प्रणाम करता हूँ क्योंकि वे और हम एक हैं । गोस्वामी तुलसीदास चित्रकूट के उस प्रसंग में जिसमें भरत भगवान राम को अयोध्या लौट चलने की आयोजित सभा में जब आग्रह करते हैं तो मर्यादा पुरुषोत्तम उन्हें निरुत्तर करते हुए कहते हैं कि पिता के न रहने पर हमलोगों को और अधिक निष्ठापूर्वक उनके आदेश का पालन करना चाहिए । मुझे उन्होंने वनवास की विपत्ति नहीं बल्कि ऐसी सम्पत्ति दी है जिसके बल पर हम वनवासियों की विपत्ति को जड़मूल से खत्म कर दें । और तुम्हें अयोध्या सौंपी है , ताकि तुम धरती को %अ-युद्ध% बनाकर इसके अयोध्या नाम को सार्थकता प्रदान कर सको । सभी जानते हैं कि रावण पर विजय की खुशी में हम सभी दीपों का त्योहार मनाकर हर्षोल्लास व्यक्त करते हैं , न कि निर्जीव धन-सम्पत्ति की उपासना । रामकथा का सेमीफायनल तो सुंदरकांड में ही हनुमानजी सोने की लंका को जलाकर कांचनमुक्ति का संदेश देते हैं जिससे कि मायातुर %तूं तूं मैं मैं % की जड़ ही कट जाये। तदनतर मैच का फायनल लंकाकांड में दशानन संहार के द्वारा पूरा होता है।

शिवाजी पब्लिक स्कूल में बच्चों को दिपावली के अवसर पर कंबल वितरित,बच्चों के उज्जवल भविष्य की मनोकामना की

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर

भिंड ग्वालियर सीमा पर स्थित शिवाजी पब्लिक स्कूल के संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू हमेशा ही एक अनोखा और नया कार्य करने में अग्रणी रहते हैं ऐसे ही आज स्कूल में सभी छात्र एवं छात्राओं को गिफ्ट के रूप में कंबल वितरित किए और सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की मनोकामना की और कहा कि हमारे स्कूल में पढ़ने आ रहा है सभी बच्चे हमारे परिवार के समान है मन लगाकर पढ़ाई करो और अपना और अपने जिले का एवं स्कूल का नाम रोशन करो शिवाजी पब्लिक स्कूल में पढ़ रहे सभी छात्र-छात्राओं को हमेशा हिंदू संस्कृति एवं संस्कार को लेकर पहले प्राथमिकता दी जाती है पढ़ाई के साथ-साथ बड़ों का आदर और सम्मान और अपने माता-पिता एवं गुरु का सम्मान करने के लिए प्रतिदिन समझाएं दी जाती है स्कूल संचालक परिहार ने कहा है कि हमारे माता-पिता के आशीर्वाद एवं भगवान की कृपा से हमारे पास सब कुछ है जो भगवान ने दिया है इन हाथों से भगवान जितना धर्म कर्म अच्छे कार्य करवा ले उतना हमारे लिए स्वभाव की बात है और हमेशा ही धर्म-कर्म के कार्य में आगे रहते हैं इसको लेकर ग्वालियर ही नहीं मर्दानपुर क्षेत्र में उनकी भूरी भूरी प्रशंसा होती है स्कूल से बच्चों को गिफ्ट प्राप्त होते ही खिल उठे चेहरे जैसे ही स्कूल से बच्चों को गिफ्ट मिला तो उनके चेहरे खिल उठे

अधिकारी सीएम हेल्पलाइन को संतुष्टिपूर्वक बंद करना सुनिश्चित करें - अपर कलेक्टर

मुरैना। सभी राजस्व अधिकारी कुल सीएम हेल्पलाइन की 30 प्रतिशत शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद करायें। पेंशन एवं शिक्षाधिकारी समय अवधि में अपनी शिकायतों का निराकरण कर लें, त्यौहार के बाद अगली टीएल बैठक में उनकी समीक्षा की जायेगी। यह निर्देश अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद ने कलेक्टर के निर्देशन में हुई टाइम लिमिट की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को दिये। बैठक में सीईओ ?ला पंचायत डॉ. इच्छित ग?पाले, संयुक्त कलेक्टर श्री शुभम शर्मा, नगर निगम कमिश्नर, समस्त एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर सहित सभी संबंधित जिला अधिकारी, समस्त जनपद सीईओ उपस्थित थे। अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद ने डीडी एग्रीकल्चर से एनपीके के स्टॉक के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पेंशन के कोई भी प्रकरण लंबित न रहें। इसके बाद उन्होंने विभागों की लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री इच्छित ग?पाले अधिकारियों को संबोधित करते हुये कहा कि सभी अधिकारी अपने अधीनस्थों के प्रति वंचित वर्ग के लिये संवेदनशीलता का विकास करें ताकि समय पर उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

आदिवासियों की देसी बीजों की खेती

प्रेरक संस्था ने यहां देसी बीजों के संरक्षण व संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए हैं। संस्था के भिलाई स्थित वसुंधरा केन्द्र में 350 देसी धान की किस्मों का संग्रह है। जिसमें 27 किस्में लाल चावल की, 6 किस्में काले चावल की, 1 किस्म हरे चावल की है। इसके अलावा, इन किस्मों में कम पानी में पकने वाली, ज्यादा पानी में पकनेवाली, लंबी अवधि की माई धान, कम अवधि की हरूना धान इत्यादि शामिल हैं।खेती-किसानी के संकट की काफी चर्चा होती है, पर इसके विकल्प के तौर पर जो कुछ छोटे व सार्थक प्रयास हो रहे हैं, उनकी चर्चा कम होती है। रचनात्मक खेती के देश भर में कई छोटे-छोटे प्रयास हो रहे हैं, उन पर भी हमें दृष्टि डालने की जरूरत है। इसी तरह का एक प्रयोग छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में हो रहा है। इस प्रयोग को देखने-समझने में कई बार गया हूं, वहां के प्रयोग के बारे में विस्तार से चर्चा करना उचित रहेगा, जिससे खेती को समग्रता में समझा जा सके।राजिम स्थित प्रेरक संस्था ने देसी बीजों की जैविक खेती का काम छत्तीसगढ़ के 7-8 जिलों में किया है। जिसमें धमतरी, महासमुंद, कोंडागांव, बस्तर, कबीरधाम, राजनांदगांव, जांजगीर-चापा, बिलासपुर और कोरबा शामिल है। इनमें से मैंने अधिकांश जिलों में दौरा कर किसानों से बात की है, उनकी खेती देखी है, उनके बीज बैंक देखे हैं।

गरियाबंद इलाके में मैंने कुछ समय पहले दौरा किया था। यहां मुझे प्रेरक संस्था के रामगुलाम सिन्हा ले गए थे। भिलाई गांव में हमने उनके वसुंधरा केन्द्र को देखा, जहां देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन किया जाता है। उनके गुणधर्मों को पहचाना जाता है। किसान कार्यकर्ता कोमलराम साहू ने मुझे कई गांवों में घुमाया। यहां मुख्य रूप से साल व सागौन का जंगल है। पैरी नदी पर सीकासेर बांध है।

यहां घना जंगल और पहाड़ हैं। पैरी नदी और सोढूर नदी यहां की पहचान है। जिले के राजिम में महानदी, पैरी और सोढूर नदी पर पवित्र संगम है, जो एक तीर्थस्थल भी है। यहां प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण आते हैं।संस्था के कार्यकर्ता कोमलराम साहू बताते हैं कि कुछ वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ के मैदानी क्षेत्र में जब संकर (हाईब्रीड) बीजों की धान फसल में बड़े पैमाने पर रोग लगा था, फसल बर्बाद हो गई थी। इसलिए कई किसान उनसे देसी धान की जैविक खेती के बारे में जानने के लिए पास आए। वे उनके गरियाबंद स्थित संस्था के वसुंधरा फार्म में जैव कीटनाशक तैयार करते हैं। जैव कीटनाशक बनाने के लिए ऐसे पौधों की पत्तियां चुनते हैं, जिन्हें मवेशी नहीं खाते। जैसे सीताफल, बेसरम, नीम, करंज फुडहर इत्यादि। इन पौधों के पत्तों से जैव कीटनाशक बनता है। इन कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण वे अन्य किसानों को भी देते हैं। प्रेरक संस्था ने इस विकासखंड के ग्राम हरदी में बीज बैंक भी बनाया है, जहां से किसान देसी बीज ले जाते हैं।

प्रेरक संस्था ने यहां देसी बीजों के संरक्षण व संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए हैं। संस्था के भिलाई स्थित वसुंधरा केन्द्र में 350 देसी धान की किस्मों का संग्रह है। जिसमें 27 किस्में लाल चावल की, 6 किस्में काले चावल की, 1 किस्म हरे चावल की है। इसके अलावा, इन किस्मों में कम पानी में पकने वाली, ज्यादा पानी में पकनेवाली, लंबी अवधि की माई धान, कम अवधि की हरूना धान इत्यादि शामिल हैं। इन किस्मों में जवाफूल, विष्णुभोग, बादशाह भोग, सोनामासुरी, पोरासटका, साठिया, लायचा, डाबर, दूबराज, मासुरी इत्यादि है। इनमें कई किस्मों में औषधि गुण भी हैं। सुगंधित किस्में भी हैं।

यहां बताना उचित होगा कि विश्वप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक आर.एच. रिछारिया ने अविभाजित मध्यप्रदेश (जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था) से धान की 17 हजार देसी किसानों को एकत्र किया था जिसमें अधिक उत्पादकता देने वाली, सुगंधित व अन्य तरह से स्वादिष्ट किस्में शामिल थीं। डा. रिछारिया चावल की किस्मों के विशेषज्ञ थे। वे मानते थे देसी किस्मों को ही देश में धान की खेती की प्रगति का आधार बनाना चाहिए। उन्होंने पता लगाया था कि धान की किस्मों की विविधता का बहुत अमूल्य भंडार है। धान की विविधता जरूरी है क्योंकि विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल किस्मों को चुनकर उगाया जा सके। उनकी यह सोच आज जलवायु बदलाव के दौर में बहुत ही उपयोगी है। इससे बदलते मौसम के अनुकूल मिट्टी-पानी के हिसाब से खेती में देसी किस्मों का चुनाव कर खेती की जा सकती है। किसान मौसम के अनुकूल खेती पद्धति में भी बदलाव कर सकते हैं।प्रेरक की एक कार्यकर्ता हैं ताराबाई। वे कनसिंगी गांव की रहनेवाली हैं, जो गरियाबंद से करीब 50 किलोमीटर दूर जंगल के अंदर बसा है। वे देसी बीजों की खेती को बढ़ावा देने का काम 15 गांवों में करती हैं। ताराबाई ने महिला किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। वे कहती हैं उनकी पहल से कई महिला किसान बीज उत्पादक हैं और वे जैव कीटनाशक भी तैयार करती हैं। तनाछेदक, बंकी, ब्लास्ट कीट को मारने में यह दवा काम आती है।

ताराबाई बताती हैं कि देसी बीज मिट्टी पानी और हवा के लिए अनुकूल होता है। उसमें प्रतिकूल मौसम को सहने की क्षमता होती है। अगर हवा आंधी से देसी धान का पौधा नीचे गिर भी जाता है तो वह बाली को ऊपर कर अपने को बचा लेता है। यानी सड़ता नहीं है, जबकि संकर (हाईब्रीड) धान में यह गुण नहीं होता है। देसी धान स्वादिष्ट, मुलायम और पाचक होता है।प्रेरक संस्था के प्रमुख रामगुलाम सिन्हा बताते हैं कि हमारा उद्देश्य आदिवासियों के जीवन को बेहतर करना है। इस तरह के प्रयास छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में किए जा रहे हैं। इनमें से एक गरियाबंद जिला भी है। यहां कमार आदिवासी हैं, जिन्होंने बैगा आदिवासियों की तरह ही कभी स्थायी खेती नहीं की है, लेकिन बदलते समय में आजीविका के लिए यह जरूरी हो गया है। इसके लिए मिश्रित खेती और बाड़ी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। क्योंकि जंगलों से मिलने वाले खाद्य कंद-मूल, मशरूम और हरी पत्तीदार सब्जियों में कमी आ रही है।

वे आगे बताते हैं कि गरियाबंद इलाके में वर्ष 2014 से तरकारियों (सब्जियों) की खेती की जा रही है। कमार और गोंड के कई परिवार यह काम कर रहे हैं। यह सब देसी बीजों से और पूरी तरह जैविक पद्धति से हो रहा है। इसमें हरी पत्तीदार सब्जियां, फल्रीदार सब्जियां, कंद, मसाले और औषधियुक्त पौधे शामिल हैं।वे बताते हैं कि इस खरीफ मौसम में हम कोदो, कुटकी, मक्का, कोसरा बाजरा जैसी पौष्टिक अनाजों पर ज्यादा जोर देंगे जिससे किसानों की खाद्य सुरक्षा हो, देसी बीजों का संरक्षण हो, जैव विविधता और पर्यावरण का संरक्षण हो। धान की जल्दी पकने वाली किस्मों का बीज किसानों को बीज बैंक से उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को बाजार से बीज खरीदने की जरूरत नहीं है, बाजार में यह बीज उपलब्ध भी नहीं हैं।कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि देसी बीजों की जैविक व प्राकृतिक खेती में काफी संभावनाएं हैं। यह मायनों में उपयोगी है। इससे देसी बीजों का संरक्षण तो होता ही है, मिट्टी-पानी का संरक्षण भी होता है। साथ ही, जैव विविधता और पर्यावरण का संरक्षण भी होता है। आज जब छत्तीसगढ़ में धान की खेती की दो फसलें हो रही हैं, रासायनिक खाद व कीटनाशकों का बेजा इस्तेमाल हो रहा है, तब मिट्टी-पानी के संरक्षण की खेती की उपयोगिता और बढ़ जाती है। देसी बीजों के साथ इससे पारंपरिक ज्ञान का भी संरक्षण होता है। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ने को तैयार हैं।

भीड़ प्रबंधन के दृष्टिगत मंडल रेल प्रबंधक श्री सिन्हा द्वारा ग्वालियर स्टेशन का निरीक्षण

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड, दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । 28 अक्टूबर 24 को मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दीपक कुमार सिन्हा ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन का दौरा कर भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए कि प्लेटफॉर्म पर चल रहे विकास कार्यों से किसी भी यात्री को असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा निर्देशित किया गया कि यात्रियों की सुविधा के लिए प्रॉपर साइनेज बोर्ड लगे होने चाहिए जिससे कि यात्री को प्रॉपर गाइडेंस मिलता रहे। श्री सिन्हा ने प्लेटफॉर्म पर भीड़ प्रबंधन के लिए किए जा रहे उपायों का जायजा लिया और निर्देश दिए कि यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही, उन्होंने स्टेशन पर स्वच्छता, सुरक्षा और यात्री सूचना प्रणाली को और बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए।श्री सिन्हा द्वारा स्टेशन पर की गई व्यवस्थाओं के बारे में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली गई। मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन पर रोशनी बढ़ाए जाने के साथ ही उचित बैरिकेडिंग हेतु निर्देशित किया। श्री सिन्हा ने निर्देशित करते हुए कहा कि ट्रेनों के प्लेटफॉर्म को अचानक नहीं बदला जाएगा। साथ ही, प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री 28 अक्टूबर से 10 नवंबर तक अस्थायी रूप से बंद रहेगी। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा, ओरिजिनेटिंग ट्रेनों के कोच केवल निर्धारित प्लेटफॉर्म पर ही खोले जाएंगे, ताकि भीड़ प्रबंधन बेहतर ढंग से किया जा सके और यात्रियों की सुरक्षा बनी रहे।उन्होंने सुरक्षा इंतजामों को भी परखा। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों को सघन चेकिंग अभियान चलाने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरा से कड़ी निगरानी बनाए रखने के लिए कहा । श्री सिन्हा द्वारा वाणिज्य विभाग द्वारा किए गए इंतजाम को भी परखा गया। स्टेशन पर लगाए गए एटीवीएम मशीन की कार्यप्रणाली को भी देखा। उन्होंने वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों को मुस्तैदी के साथ काम करने के निर्देश दिए। स्टेशन पर अनाधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगाने के आदेश दिए। इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखने और उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार रखने की बात भी कही गई। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा ने कहा कि त्योहार के दौरान हर रेल यात्री सुरक्षित और सुगमता पूर्वक अपने गंतव्य तक पहुंच सके यह हमारी प्राथमिकता है। यात्रियों को सुविधा के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। भीड़ प्रबंध हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी रेल यात्रियों से अपील है की व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। इस दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा,वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलिकॉम अभियंता नरेंद्र सिंह,वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/सी एंड डब्ल्यू राहुल शुक्ला,वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अखिल शुक्ल,वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त विवेकानंद नारायण,स्टेशन निदेशक लालाराम सोलंकी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविधान बचाने की लड़ाई क्या जीत पाएंगे राहुल

डॉ आंबेडकर के बाद भारत की राजनीति में संधियों की मंशा को मान्यवर कांशीराम ने बखूबी समझा था। उन्होंने राजनीति की एक नई भाषा विकसित की। कांशीराम जी द्वारा स्थापित बसपा की राजनीतिक सफलता की कहानी तो कही जाती है लेकिन उन्होंने जो भाषा और संगठन की शैली विकसित की, उसका विस्तार से विश्लेषण और मूल्यांकन होना अभी बाकी है।साल 2024 राजनीतिक दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है। इस साल 18वीं लोकसभा का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव नतीजों ने एक बात पर मजबूती से मुहर लगाई है कि संविधान बदलने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोकसभा चुनाव से लेकर हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और झारखंड, महाराष्ट्र में भी विपक्षी इंडिया गठबंधन और खासकर राहुल गांधी लगातार संविधान के मुद्दे पर मुखर हैं। राहुल गांधी संविधान पर अब एक नया विमर्श खड़ा कर रहे हैं। राहुल गांधी द्वारा संविधान सम्मान सम्मेलन की पिछली दो सभाओं के भाषणों पर गौर करें तो एक बात स्पष्ट नजर आती है कि संविधान में निहित ऐतिहासिक विरासत, पूर्व धारणाओं तथा मूल्यों पर वह जोर दे रहे हैं। कोल्हापुर,महाराष्ट्र (5 अक्टूबर) की सभा में उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर संविधान की रक्षा की बात कहते हुए उसमें निहित मूल्यों और परिवर्तनवादी अतीत का जिक्र किया। ब्राह्मणवादी शक्तियों द्वारा किये गए छत्रपति शिवाजी महाराज के अपमान की याद दिलाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जिस विचार ने उनका राज्याभिषेक नहीं होने दिया, उसी विचार के लोग आज सत्ता में हैं। सत्ताधारियों ने नई संसद और राम मंदिर के उद्घाटन में आदिवासी राष्ट्रपति को नहीं बुलाकर उनका अपमान किया।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में शाहूजी महाराज, ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर को भी याद किया। समता, स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष में मराठी संत तुकाराम, बसवन्ना, गुरु नानक और सामाजिक क्रांतिधर्मी ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर का चिंतन भारत के संविधान में निहित है। यही बात राहुल गांधी ने झारखंड की राजधानी रांची के संविधान सम्मान सम्मेलन (19 अक्टूबर) में दोहराई। पूछा जा सकता है कि राहुल गांधी बार-बार इन बातों को क्यों दोहरा रहे हैं?

13 दिसम्बर 1946 को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव से शुरू हुआ संविधान निर्माण 25 नवंबर 1949 को पूरा हुआ। अगले दिन 26 नवम्बर को संविधान भारत के लोगों को आत्मार्पित (पारित) किया गया। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज की आधिकारिक घोषणा को लागू करते हुए पहला स्वाधीनता दिवस मनाया गया था। इस तारीख को यादगार बनाने के लिए संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। लेकिन राहुल गांधी संविधान निर्माण की तीन साल की काल अवधि को भारत की विशाल परंपरा से जोड़ रहे हैं। रांची में उन्होंने भगवान बुद्ध को याद करते हुए उनके मूल्यों को संविधान से संबद्ध किया। आखिर क्या कारण है कि राहुल गांधी संविधान की यात्रा को तथागत बुद्ध तक लेकर जा रहे हैं? आमतौर पर संविधान को 1857 से लेकर 1947 के बीच 90 साल तक चले स्वाधीनता आंदोलन और विचार-चिंतन का परिणाम माना जाता है।कांग्रेस के विभिन्न अधिवेशनों में पारित प्रस्ताव और अंग्रेजी सरकार द्वारा लागू गए नियम तथा अनेक देशों के महत्वपूर्ण प्रावधानों को संविधान में शामिल किया गया। गौरतलब है कि संविधान पारित होने के तीन दिन बाद ही (30 नवम्बर, 1949) आरएसएस ने संविधान पर हमला बोलते हुए अपने मुखपत्र %आर्गेनाइजर' में लिखा था कि %भारतीय संविधान औपनिवेशिक दासता का प्रतीक है। इस पर विदेशी प्रभाव है।' आरएसएस के अनुसार संविधान में %कुछ भी भारतीय नहीं है क्योंकि इसमें मनु की संहिताएं नहीं हैं।' आरएसएस को मनुस्मृति के आधार पर संविधान चाहिए था। इसलिए संघ ने बाबासाहब अम्बेडकर द्वारा लिखे गए संविधान को मानने से इनकार कर दिया। लंबे समय तक संघ संविधान का खुलकर विरोध करता रहा। लेकिन 1990 के दशक में उसने चुप्पी ओढ़ ली। फिर इसी संविधान के बल पर उसकी राजनीतिक शाखा भाजपा केंद्र की सत्ता में दाखिल हुई। दस साल से केंद्र में स्थापित होने के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव के समय अधिकतर संघी पृष्ठभूमि वाले भाजपा के दर्जनों नेताओं ने संविधान बदलने के लिए 400 सीटें जीतने का ऐलान किया। हालांकि चुनाव में भाजपा के मनसूबे पूरे नहीं हुए। लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है। आरएसएस का अंतिम लक्ष्य डॉ.अंबेडकर के संविधान को हटाकर मनुवादी संविधान लागू करके भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है।

धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे आधुनिक विचारों को संघ ही नहीं भाजपा के नेता भी विदेशी मानते हैं। भारतीयता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नारा देने वाला संघ संविधान को गैर-भारतीय घोषित करना चाहता है। राहुल गांधी अपने भाषणों के जरिए लगातार एक विचार को मजबूत कर रहे हैं कि संविधान में निहित मूल्य भारतीय हैं। हमारा संविधान स्वतंत्रता, समानता और सम्मान की एक पूरी धारा का प्रतिनिधित्व करता है।

गौरतलब है कि डॉ अंबेडकर ने अपनी चर्चित किताब %क्रांति प्रति-क्रांति' में बुद्ध की परंपरा को क्रांतिधर्मी परंपरा कहा है। उनका मानना है कि वैदिक और हिंदुत्व की वर्णवादी व्यवस्था ने शूद्रों और अछूतों को समाज से बहिष्कृत किया। हिंदुत्व के विचार और व्यवस्था में सदियों तक शूद्रों और दलितों का दमन और शोषण किया जाता रहा। स्वयं डॉ अंबेडकर ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के तौर पर क्रांतिधर्मी और परिवर्तनवादी आधुनिक मूल्यों को संविधान में समाहित किया। राहुल गांधी ने रांची में बहुत मुखरता से संविधान के सामने संघ की मंशा मनुस्मृति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष सिर्फ तात्कालिक नहीं है बल्कि सदियों पुरानी लड़ाई है। मनुस्मृति के जरिए जो अमानवीयता और अन्याय की व्यवस्था खड़ी की गई थी, आज सत्ताधारी उसी व्यवस्था को देश के पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर लादने की कोशिश कर रहे हैं। इस मानसिकता के नए शिकार अल्पसंख्यक हैं। मुसलमानों और ईसाइयों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना इसी व्यवस्था का हिस्सा है। राहुल गांधी ने इस बात को समझ लिया है कि केवल चुनावी राजनीति के जरिए इस लड़ाई को नहीं जीता जा सकता है। नरेंद्र मोदी के दस साल के शासन में खुलकर मनुस्मृति का महिमामंडन किया गया। कतिपय नेताओं और राजनीतिक महत्वाकांक्षी बाबाओं ने मनुस्मृति को लागू करने की मांग की।डॉ आंबेडकर के बाद भारत की राजनीति में संधियों की मंशा को मान्यवर कांशीराम ने बखूबी समझा था। उन्होंने राजनीति की एक नई भाषा विकसित की। कांशीराम जी द्वारा स्थापित बसपा की राजनीतिक सफलता की कहानी तो कही जाती है लेकिन उन्होंने जो भाषा और संगठन की शैली विकसित की, उसका विस्तार से विश्लेषण और मूल्यांकन होना अभी बाकी है। बाबासाहेब ने जातिगत शोषणकारी व्यवस्था को ब्राह्मणवाद कहा था। मान्यवर कांशीराम ने इसे मनुवाद की संज्ञा दी । अंबेडकर ने ब्राह्मणवादी व्यवस्था के लिए अंततः तमाम हिंदू धर्मशास्त्रों को उत्तरदायी ठहराया। लेकिन सर्वाधिक खतरनाक मनुस्मृति की 25 दिसंबर 1927 को होली जलाई। मान्यवर कांशीराम ने मनुस्मृति पर आधारित ब्राह्मणवाद को मनुवाद कहा। उनका पूरा आंदोलन और संघर्ष इस मनुवादी व्यवस्था को मिटाने के लिए था। लेकिन उनके दिवंगत होने के बाद इस राजनीतिक आंदोलन को ब्रेक लग गया। इसके बाद प्रतिक्रियावादी और मनुवादी आरएसएस भाजपा के जरिए सत्ता के केंद्र तक पहुंच गया। आज मनुवादी व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने के लिए संघ बेचैन है। चुनावी लोकतंत्र में सीधे तौर पर संघ इस व्यवस्था को थोपने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। इसलिए उसका मकसद पहले संविधान को हटाकर लोकतंत्र को बेमानी बना देना और उसके बाद हिन्दू राष्ट्र की स्थापना करना है।

हिन्दू राष्ट्र के मायने क्या है? स्त्रियों, दलितों और वंचितों को ब्राह्मणवादी व्यवस्था में विवेकहीन और असहाय गुलाम बनाना। इसलिए आज की सबसे बड़ी लड़ाई संविधान को बचाने की लड़ाई बन गई है। संविधान के प्रति सम्मान ही नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा करना असली दायित्व है। महत्वपूर्ण यह है कि राहुल गांधी ने इस खतरे को भांपकर अपनी पूरी राजनीति को संविधान पर केंद्रित कर दिया है। राहुल गांधी ने डॉ अम्बेडकर से लेकर भगवान बुद्ध की विरासत का जिक्र करके यह बता दिया है कि उनकी नजर में भारतीयता और भारतीय परंपरा क्या है। यह पूरी विरासत भारत के संविधान में निहित है। मनुस्मृति पर आधारित ब्राह्मणवादी वर्णव्यवस्था भारत की विरासत नहीं हो सकती। इसीलिए राहुल गांधी ने रांची में कहा कि संविधान को खतरा मनुस्मृति से है। राहुल गांधी आरएसएस की सोच पर सीधा हमला कर रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी इस वैचारिक लड़ाई को जीत पाएंगे?

अवैध रूप से मादक एवं कोरेक्स जैसे नशीले पदार्थो की अवैध बिक्री एवं पैकारी, महिलाओं पर बड़ते अपराध, जिले की बिगड़ी कानून व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस कमेटी रीवा द्वारा आयोजित हुआ धरना सत्याग्रह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा । अवैध रूप से मादक एवं कोरेक्स जैसे नशीले पदार्थो की अवैध बिक्री एवं पैकारी को यदि प्रदेश की भाजपा सरकार रोकवा दे तो आए दिन बड़ते अपराधों एवं बिगड़ी कानून व्यवस्था को पटरी पर लाया जा सकता हैं। किन्तु प्रदेश की भाजपा सरकार इसे रोकने मे पूर्णतः असफल रही है, उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने सिरमौर चौराहे में अवैध रूप से मादक एवं कोरेक्स जैसे नशीले पदार्थो की अवैध बिक्री एवं पैकारी, महिलाओं पर बड़ते अपराध, जिले की बिगड़ी कानून व्यवस्था के विरोध में रीवा जिला कांग्रेस कमेटी रीवा द्वारा आयोजित धरना सत्याग्रह में उपस्थित कांग्रेस जनों को सम्बोधित करते हुए कही। श्री शर्मा ने कहा कि हमारे जिले के उपमुख्यमंत्री जो म.प्र. शासन के स्वास्थ्य मंत्री हैं आज तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दिलाने मे पूर्णतः असफल रहे है, और आज भी हमारे यहां के हजारों मरीज नागपुर या दूसरे नगरों मे जाने के लिए मजबूर है, वह जब भी आते है तो निर्माण कार्य का ही निरीक्षण करते हैं स्वास्थ्य सुविधा की ओर उनका ध्यान नहीं जाता, जो कि समझ से परे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि नशीले पदार्थो की बिक्री पर जब तक रोक नहीं लगायी जाती तब तक कांग्रेस पार्टी अपना संघर्ष निरंतर जारी रखेगी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा 29 अक्टूबर से 03 नवम्बर तक किये जाने वाले कार्यक्रम की विस्तार की जानकारी दी। और कहा सभी कांग्रेस जन इस महत्वपूर्ण लड़ाई मे कांग्रेस पार्टी का साथ दें। उन्होने 31 अक्टूबर को इस वर्ष महिलाओं के सम्मान एवं युवाओं के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा दीपावली न मनाने का निर्णय लिया हैं। धरना सत्याग्रह को पूर्व सांसद राजमणि पटेल, विधायक सेमरिया अभय मिश्रा, रीवा महापौर अजय मिश्रा बाबा, पूर्व विधायक विद्यावती पटेल, गुरूमीत सिंह मंगू, कविता पाण्डेय, गिरीश सिंह, कुवंर सिंह, वसीम

रजा, अनिल मिश्रा, लोकसभा प्रत्याशी नीलम मिश्रा, शीला त्यागी, रमाशंकर सिंह पटेल, बबिता साकेत, डॉ अरूणा तिवारी, बृजेन्द्र शुक्ला, डॉ प्रतिभा सिंह, मुस्तहाक खान महेन्द्र उपाध्याय, रफीक अंसारी, धनेन्द्र सिंह बघेल, अशोक पटेल झब्बू, विनोद शर्मा, ममता तिवारी, प्रभा सोहगौरा, लक्ष्मी सिंह, देववती वर्मा, आरती बक्सरिया, सोनू रावत, राखी पाण्डेय, विजय लक्ष्मी मिश्रा, केशकली साकेत, राजेश मिश्रा बब्बू, साधना सोनी, रितिका शर्मा, आदि कांग्रेस नेताओं ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के संगठन मंत्री रवि तिवारी ने किया जबकि आभार प्रदर्शन शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल ने संबोधित किया। इसके पश्चात् कांग्रेस पार्टी का एक विशाल जुलूस इंजी. राजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व मे पुलिस महानिरीक्षक संभाग रीवा के कार्यालय पहुचकर उन्हे सम्बोधित 04 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सौंप कर उनके शीघ्र निराकरण करने की मांग की।

धरना प्रदर्शन मे प्रमुख रूप से पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी, गोविन्द दास तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, शिव प्रसाद प्रधान, रमेश पटेल, लालजी मिश्रा, सत्यनारायण चतुर्वेदी, विपिन पाण्डेय, लालमणि पाण्डेय, सीमा सिंह, तारा त्रिपाठी, अनिल तिवारी, नृपेन्द्र सिंह पिंटू, अर्चना द्विवेदी, प्रभा सोहगौरा, लियाकत अली, मानिकलाल सोनी, नरेन्द्र सिंह तिवारी, नरेन्द्र अग्निहोत्री, पद्मदीप शुक्ला, बलराम गौतम, जितेन्द्र सिंह, प्रकाश नारायण चतुर्वेदी, अरूण सिंह पिन्टू, धानेन्द्र द्विवेदी, सिद्धनाथ पाण्डेय, रामकीर्ति शर्मा, शिवेन्द्र प्रताप सिंह बघेल, अखिलेश द्विवेदी, काकू, मनीष नामदेव, संतोष सोहगौरा, अकरम अंसारी, साबिर अंसारी, रमा दुबे, उमेश वर्मा, सहफूज खान, अमृतलाल मिश्रा, गोविन्द शुक्ला, हर्षलाल शुक्ला, अमित द्विवेदी बेटू, अरूण तिवारी मुन्नू, अमित अग्निहोत्री, अशोक सिंह बुड़वा, डॉ. विमल दुबे, डॉ. अरूणेन्द्र शेखर मिश्रा, साधु शरण मिश्रा, बृजवासी प्रसाद मिश्रा, श्याम किशोर मिश्रा, अंजनी द्विवेदी, अरूण पाण्डेय, सुरेश वर्मा, पंकज उपाध्याय, कमलनयन पाण्डेय, ज्ञानचंद्र ज्ञानू, प्रमोद पटेल पी.डी, उदित नारायण मिश्रा, आयुष पाण्डेय, के.पी. सिंह, छोटेलाल रजक, अरूण सिंह, भगवान सिंह तिवारी, प्रदीप त्रिपाठी, जी.पी. त्रिपाठी, शशि कुमार पाण्डेय, पंकज दास शास्त्री, प्राची शुक्ला, निष्कर्ष मिश्रा, अमन द्विवेदी, मोहित शुक्ला, अमित कुशवाहा, निखिल प्रताप सिंह, अजय सिंह, संजीव शुक्ला, मोहम्मद रहीश खान, बालकृष्ण यादव, रितिक गुप्ता, दिनेश कुशवाहा, सर्वेश कुमार मिश्रा, रोहित मिश्रा, जर्नादन सोनी, विनोद शंकर तिवारी, पवन कुमार पाण्डेय, सुरेन्द्र तिवारी, राम प्रसाद पाठक, प्रांशू मिश्रा, संतोष पटेल, मोहम्मद हमीद रजा, मोहम्मद गुलशेर, शिवशंकर प्रसाद तिवारी, गिरिजा प्रसाद कुशवाहा, नर्मदेश्वर मिश्रा, चन्द्रमणि प्रसाद साकेत, आकाश तिवारी, सहित भारी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहें।

गुढ़ में हुए दंपति के साथ अत्याचार तथा महिला के साथ 8 लोगों द्वारा किए गए दुष्कर्म तथा प्रशासन की उदासीनता के विरोध में रीवा शहर में उग्र आंदोलन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। गुढ़ में हुए दंपति के साथ अत्याचार तथा महिला के साथ 8 लोगों द्वारा किए गए दुष्कर्म तथा प्रशासन की उदासीनता के विरोध में रीवा शहर में उग्र आंदोलन किया गया। आंदोलन के द्वारा चौरसिया समाज,साहू समाज, बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद के साथ ही वैश्य समाज के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता के तत्वाधान में इस दारुण घटना के उन्मूलन तथा अपराधियों को फांसी देने की मांग के साथ कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौपा गया। वैश्य समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता द्वारा हुए मीडिया संवाद में उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत ही हृदय विदारक तथा समाज को शर्मशार कर देने वाली है, जो समाज नारी की पूजा को सौभाग्य मानता है उस समाज मे यदि सरकार,प्रशासन और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था जिसका वादा हर निर्वाचन प्रक्रिया मे किया जाता है के होते हुए भी यह हो तो फिर यह अत्यंत ही दुख की बात है । उक्त घटना के सभी अपराधियों को फांसी की सजा होनी चाहिए तथा गुढ़ थाना के उन सभी अधिकारियों के खिलाफ भी संज्ञान लिया जाना चाहिए जिन्होंने ऐसी भीषण घटना के तुरंत उन्मूलन मे कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई जबकि घटना 23 अक्टूबर की है किन्तु उस पर कार्यवाही घटना के 2 दिन बाद की जाती है। उक्त आंदोलन प्रदर्शन में मनीष गुप्ता, बंशीलाल साहू, नीरज चौरसिया, नीलम चौरसिया,लीना साहू, गौरव चौरसिया,भरतलाल चौरसिया, रामकृष्ण चौरसिया, हनुमान चौरसिया, रामदयाल चौरसिया, विष्णु चौरसिया, संजय चौरसिया, देवदत्त चौरसिया, पप्पू कनोजिया,दिव्या चौरसिया, सविता चौरसिया, विद्यावती चौरसिया, मीरा पटेल, सरोज सोनी, अंजलि सिंह, संगीता चौरसिया, प्रियंका चौरसिया, प्रीति चौरसिया सहित सभी समाजों के समाजसेवी बंधुओं की उपस्थिति में किया गया।

रीवा को मिलेगी एक और सौगात, रिवर फ्रंट का 9 नवम्बर को लोकार्पण प्रस्तावित

कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। बाबाघाट से कोतवाली घाट तक 25 करोड़ रूपये की लागत से बनाये गये रिवर फ्रंट का आगामी 9 नवम्बर को लोकार्पण होगा। इसके साथ ही रीवा को एक और सौगात मिलेगी तथा रीवा के विकास कार्यों में एक और कड़ी जुड़ जायेगी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर शेष कार्यों को समय से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिये। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने रिवर फ्रंट के पाथवे में डेकोरेटिव पोल, इलेक्ट्रिक पोल तथा लैम्प आदि लगाये जाने निर्देश दिये। उन्होंने पाथवे में ग्रीनरी के लिए उद्यान विभाग से समन्वय कर फूल एवं पौधे लगाने के निर्देश निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि रिवर फ्रंट में सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मी नियुक्त किये गये हैं जो लगातार भ्रमण करें और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने भ्रमण के दौरान बाबाघाट के गेट निर्माण तथा प्रवेश स्थल पर सौन्दर्यीकरण के लिए बनाये जा रहे कार्य को भी देखा तथा इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने बाबाघाट के सामने की तरफ पुल से लेकर प्रवेश द्वार तक पानी के निकासी के लिए नाली बनाकर मुख्य नाले से जोड़ने के निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने बाबाघाट में 200 केएलडी के एसटीपी निर्माण कार्य का अवलोकन किया तथा इसके सिविल कार्य को 8 नवम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस एसटीपी के माध्यम से नाले का गंदा पानी साफ होगा और फिर नदी में साफ पानी मिलेगा। भ्रमण के दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी मनोज द्विवेदी, कार्यपालन यंत्री हाउससिंग बोर्ड अनुज सिंह, कार्यपालन यंत्री नगर निगम राजेश सिंह तथा सहायक यंत्री हाउससिंग बोर्ड हिमांशु वर्मा एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

माटी के दिये बेचने वालों को नहीं लगेगा प्रवेश शुल्क तथा बाजार बैठकी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। नवरात्रि से लेकर दीपावली एवं देव प्रबोधनी एकादशी तक के त्यौहार एवं पर्वों में मिट्टी से बने दीपों का उपयोग पूजन में किया जाता है। दीपावली की जगमगाहट भी मिट्टी के दीपकों से ही होती है। माटी से बने दीपक हमारे घर को रोशनी से जगमग करने के साथ गरीब परिवार की आजीविका का साधन भी बनते हैं। दीपक तथा मिट्टी के बने अन्य बर्तन जैसे कुल्हड़, मटके, गमले आदि पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आमजनता से दीपावली तथा अन्य त्यौहारों में मिट्टी के दीपकों के उपयोग की अपील की है। साथ ही कलेक्टर ने नगरीय निकायों को माटी के दिये बेचने वालों से प्रवेश शुल्क अथवा बैठकी वसूल न करने के आदेश दिए हैं। मिट्टी के दीपक एवं अन्य माटी से बनी सामग्री बेचने वालों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने इन पर किसी तरह का टैक्स न लगाने के आदेश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि नगर निगम, नगर पंचायतें तथा ग्राम पंचायतें एवं पुलिस विभाग मिट्टी के दीपक एवं अन्य बर्तन बनाने वालों को सहयोग करें। नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतें इनसे किसी तरह का प्रवेश शुल्क, बाजार बैठकी आदि की वसूली न करें। स्थानीय वस्तुओं के उत्पाद एवं बिक्री को बड़ावा देने तथा गरीबों के कल्याण में सहयोग के लिए ऐसा करना आवश्यक है। इस आदेश का हर हाल में पालन सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन के आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही करने तथा सड़कों में सुधार का कार्य प्राथमिकता से पूरा करने के दिए निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के आवेदनों की मुख्यमंत्री जी समीक्षा कर रहे हैं। इसमें लंबित आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही कर उनका निराकरण करें। बजट प्राप्त न होने के कारण लंबित शिकायतों के संबंध में वरिष्ठ कार्यालयों को अवगत कराएं। सीएम हेल्पलाइन में भी 50 दिन से अधिक अवधि से लंबित आवेदनों का तत्परता से निराकरण करें। स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पीएचई विभाग, खाद्य विभाग, शिक्षा विभाग राजस्व विभाग, आदिमजाति कल्याण विभाग तथा पिछड़ावर्ग कल्याण विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं। इनके निराकरण पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने कहा कि नवम्बर माह में कोई भी विभाग सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग में सी और डी ग्रेड में नहीं रहेगा। संतुष्टिपूर्वक आवेदनों का निराकरण करके विभाग की रैंकिंग में सुधार करें। नवम्बर माह में सी और डी रैंकिंग में रहने वाले विभागों के कार्यालय प्रमुखों की वेतनवृद्धि रोकने की कार्यवाही की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी पेंशन प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने कहा कि वर्षाकाल में जो सड़कें क्षतिगस्त हो गई हैं उनके सुधार का कार्य तत्काल पूरा कराएं। रीवा के शहरी क्षेत्र की सड़कों तथा फ्लाईओवर में भी सुधार के कार्य तत्काल करें। कार्यपालन यंत्री सेमरिया रोड में ढेकहा तिराहे से करहिया मण्डी तक की सड़क का निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी कार्यालय

प्रमुख झण्डा दिवस के लिए निर्धारित राशि जमा करके उसकी रसीद प्रस्तुत करें। झण्डा दिवस की राशि पूर्व सैनिकों के कल्याण में व्यय की जाती है। इसमें स्वेच्छा से सार्म्थ्य के अनुसार सहयोग करें। विभाग के लंबित न्यायालयीन प्रकरणों में जवाबदावा अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। अवमानना के पाँच प्रकरणों में संबंधित अधिकारी तत्काल कार्यवाही कर न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने उर्वरक की नियमित आपूर्ति के लिए रैक की माँग हर सप्ताह शासन को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में धान के उपार्जन की तैयारियों तथा उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण की भी समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद अनुराग शर्मा ने सीएसआर पहल के तहत सोलर लाइट का किया वितरण

दीपावली पर ललितपुर जनपद के मंदिरों में रोशनी की बहारः सांसद अनुराग शर्मा की अनूठी पहल

झांसी- हिन्दुत्व के युग पुरुष, श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन में विश्व हिन्दू परिषद के बुन्देलखण्ड संयोजक, गौ-सेवा व संस्कृत भाषा के पोषक, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुन्देलखण्ड के चतुर्मुखी उन्नयन के प्रेरक तथा पं. विश्वनाथ शर्मा हिन्दू धर्मार्थ न्यास के संस्थापक कीर्तिशेष डॉ. पं. श्री विश्वनाथ शर्मा जी की याद में ललितपुर जनपद क्षेत्र के मंदिरों के लिए सांसद अनुराग शर्मा ने एक विशेष और सार्थक पहल की है। जिसमें सांस्कृतिक संरक्षण की वात की है इसके लिए वे बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के सौजन्य से यह कार्य भी करेंगे। जहां बच्चों को बुन्देलखण्ड की सांस्कृतिक जानकारी दी जायेगी।हम लोग इसके लिए विभिन्न बुन्देलखण्ड की परम्परा को जीवित करने का काम करेंगे। इसके अलावा हमारे बुन्देलखण्ड में जातिवादी व्यवस्था खत्म कर के बंटोगे तो कटोगे का सन्देश देंगे ताकि हमारी एकता और सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि हमारी कुछ बेटियों को अन्य धर्म के लोग वरगला कर शादियां कर लेते हैं और उसके परिणाम ठीक नहीं होते तो हमारे साधु संतों को समाज में जाकर परिवारों में संस्कार देने का काम करना चाहिए ताकि इन घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। उन्होंने कहा कि मैं आयुर्वेद से आता हूं और इस नाते भगवान धन्वंतरि की जयंती भी आज है । धन्वंतरि जी स्वास्थ्य के देवता हैं और स्वास्थ्य धन से अधिक महत्वपूर्ण है यदि हम स्वस्थ्य रहेंगे तो धन का उपयोग करेंगे। इस विशेष अवसर पर सांसद शर्मा ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (ष्टस्क्र) के अंतर्गत ललितपुर जनपद क्षेत्र के विभिन्न गांवों में स्थित धार्मिक स्थलों पर दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए सोलर लाइट की स्थापना की। यह पहल न केवल धार्मिक स्थलों की रौनक बढ़ाने के लिए है, बल्कि यह क्षेत्र के विकास में भी एक महत्वपूर्ण योगदान देगी।

सांसद शर्मा ने पीडब्ल्यूडी सर्किट हाउस ललितपुर में कार्यकर्म आयोजित कर कई मंदिरों के पुजारी को आमंत्रित किया, जहां उन्होंने सोलर लाइट का वितरण किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के कई मंदिरों के पुजारी भी शामिल हुए, जिन्होंने सांसद शर्मा के प्रयासों की सराहना की और इसे एक सकारात्मक कदम बताया। सांसद अनुराग शर्मा ने कहा, ÷हमारा उद्देश्य केवल धार्मिक स्थलों को रोशन करना नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से हम अपने क्षेत्र के विकास और जागरूकता को भी बढ़ाना चाहते हैं। सांसद अनुराग शर्मा ने यह भी उल्लेख किया कि उनके स्वर्गीय पिताजी और उनका पूरा परिवार सदैव इस संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए तत्पर रहते हैं। सांसद शर्मा ने अपने परिवार की प्रतिबद्धता को साझा करते हुए कहा, ÷हम हमेशा क्षेत्र के कल्याण के लिए काम करते रहेंगे और नए आयाम स्थापित करने की कोशिश करेंगे। इस पहल का उद्देश्य न केवल धार्मिक स्थलों को उजागर करना है, बल्कि साथ ही स्थानीय लोगों को ऊर्जा की एक सस्ती और स्थायी स्रोत प्रदान करना भी है। सांसद शर्मा ने बताया कि इन सोलर लाइटों से न केवल मंदिरों की सजावट होगी, बल्कि आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा और उजाले का भी वातावरण बनेगा। सांसद अनुराग शर्मा ने यह भी कहा कि हम सभी को मिलकर अपने क्षेत्र की उन्नति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। उनके अनुसार, यह पहल समाज के सभी वर्गों के लिए लाभदायक होगी, और इससे धार्मिक स्थलों की गरिमा भी बढ़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन ने की एवं संचालन सांसद कार्यालय प्रभारी दिनेश गोस्वामी एड ने किया। इस अवसर पर श्रम सेवा राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ उर्फ मन्नू कोरी, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन, निवर्तमान अध्यक्ष जगदीश सिंह लोधी, पूर्व अध्यक्ष हरीराम निरंजन, बुन्देलखण्ड विकास बोर्ड के सदस्य प्रदीप चौबे, क्षेत्रीय मोर्चा उपाध्यक्ष अजय पटैरिया, जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र गुरु,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश खटीक,पूर्व सहकारी बैंक अध्यक्ष अशोक रावत,जिला उपाध्यक्ष आशीष रावत, धर्मेन्द्र पाठक,जिला मंत्री,धर्मेश द्विवेदी, निखिल रामकुमार तिवारी, गन्धर्व सिंह लोधी बाबू जी,अनिल पटैरिया नील, प्रधान संघ के अध्यक्ष अनुपम चौबे,कोस्तुभ चौबे, कमलापति रिछारिया, जगभान सिंह राजपूत,शम्भु चौवे,के पी सिंह, विशाल रावत, किंजल्क हुड्डैत, जिला पंचायत सदस्य मनोज खटीक, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी रावत, अजय साईकिल, अशोक साहू दाऊ,शिवा सिंह तोमर, मनोज रिछारिया, शशिशेखर पांडेय, सिरनाम सिंह बाबा जू, विक्रांत रावत,ई पुनीत पाण्डेय, पंकज ताम्रकार आदि के साथ , कई मंदिरों के पुजारी गण, और पार्टी पदाधिकारी,देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

दीपावली में माटी के दीपों की धूम - लोकल फॉर वोकल का मंत्र हो रहा चरितार्थ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। भारत ही एक ऐसा देश है जिसे भारत माता कहा जाता है। हमारा देश माटी को भी माता की ही तरह पूजता है। देश की सनातन और वैदिक परंपरा में पूजा, हवन, यज्ञ, विवाह आदि सभी मांगलिक कार्यों में मिट्टी के बने बर्तनों और दीपों का उपयोग किया जाता है। आज हर शहर, हर गांव के घर-घर में बिजली पहुंचने के बाद घरों में बिजली के बल्बों से सजावट की जाती है, लेकिन घर में मिट्टी से बने 25 दीपक अवश्य रखे जाते हैं। पूजा घर में देव प्रतिमाओं के समक्ष मिट्टी के दीप में ही घी के दिये जलाए जाते हैं। तुलसी माता के चबूतरे, कुलदेवताओं के कक्ष तथा पेयजल स्त्रोत पर भी पूरे कार्तिक माह मिट्टी से बने दीपक जगमगाते हैं। नवरात्रि पर्व से ही मिट्टी के बर्तनों की बिक्री शुरू हो जाती है। रीवा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में अभी भी मिट्टी के कलश और दीपकों की अच्छी बिक्री होती है। आसपास गांवों के मिट्टी के बर्तन बनाने वाले शिल्पी शहरों में डेरा जमाकर महीने भर मिट्टी के बर्तन बना रहे हैं। इनमें सर्वाधिक बिक्री माटी के दीपों की होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकल फॉर वोकल के मंत्र को माटी के बर्तन बनाने वाले चरितार्थ कर रहे हैं। शशि प्रजापति निवासी रीवा 15 दिनों से मिट्टी के बर्तन बेच रही हैं। इसी तरह ग्राम महसांव के गिरधारी प्रजापति भी रीवा में आकर मिट्टी के बर्तन बेच रहे हैं। उत्तर प्रदेश में आजमगड़ के रहने वाले विकास प्रजापति कई वर्षों से दीवाली के समय रीवा आकर माटी के दीपक और अन्य बर्तन बेचते हैं। उन्होंने आमजनता से मिट्टी के बर्तनों के उपयोग की अपील की है। रीवा के ही रामनरेश कुमार भी माटी के बर्तन बेचकर पूजा घरों को रोशनी देने के साथ अपने घर में समृद्धि की दीवाली मनाएंगे। समाज में तेजी से शहरीकरण होने के बावजूद अभी भी प्राचीन परंपराओं से लगाव बना हुआ है। हर घर में माटी के दीपक अवश्य जलाये जाते हैं। इन दीपकों से हमारे घरों में उजाला होने के साथ हजारों गरीब परिवारों के घरों में भी सुख और समृद्धि का उजाला होता है।

जिला अस्पताल के पास वर्णी स्वच्छता अभियान चलाया गया

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय युवा कार्यक्रम विभाग राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा निर्देशित एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रस्तावित कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद ललितपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों द्वारा नोडल अधिकारी डॉ.ओ.पी.चौधरी के नेतृत्व एवं डॉ0राजीव निरंजन की देखरेख में स्वच्छता अभियान वृहद स्तर पर जिलाधिकारी कार्यालय के निकट कचहरी एवं जिला अस्पताल के पास तथा वर्णी स्वच्छता अभियान चलाया गया । एनएसएस के स्वयंसेवकों ने अस्पताल के सामने पड़ी हुई पॉलिथीन व कचरे को उठाया और कूड़ा संग्रह करने वाले डस्टविन में डाल दिया। स्वच्छता को कायम रखने के लिए विभिन्न बाजारों एवं मार्गों पर वृहद स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अंकुर श्रीवास्तव अपर जिला अधिकारी ललितपुर के द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने कहा कि दीपावली हम सभी का पवित्र त्यौहार है, इसको बड़ी ही धूमधाम से मनाते हैं। सरकार ने इस वर्ष दीवाली माई भारत वाली के माध्यम से संदेश दिया है कि हमारे दीपक मिट्टी के बने हुए हो जो भारतीयता का परिचय कराते हों। हमारी भारतीय परंपरा है उसके अनुसार हमें दीपक जलाना चाहिए और दूसरे लोगों को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह भी इस परंपरा का निर्वहन करें। हमें भौतिकता बाद में नहीं आना चाहिए उन्होंने यह भी बताया कि जिस प्रकार से हम अपने घर को स्वच्छ रखने हैं इस प्रकार हमें आसपास की स्वच्छता को भी कायम रखना चाहिए क्योंकि स्वच्छ वातावरण सें स्वच्छ चित्त का विकास होता है जो हमें हमेशा स्वस्थ रखते हैं यदि हमारे आसपास गंदगी

रहेगी तो हम विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रस्त हो जाएंगे। इसका हमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए। अन्त में उन्होंने सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम के संयोजक एवं नोडल अधिकारी डॉ.ओ.पी.चौधरी ने कहा कि यह कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय युवा कार्यक्रम विभाग राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा निर्देशित है यह त्योहार अन्य वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष विशेष हैं क्योंकि सरकार ने इसको दीवाली माई भारत वाली नाम देकर प्रमुख बना दिया है, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजीव कुमार निरंजन ने कहा कि जिस प्रकार लोग अपने घरों की सफाई करते हैं इसमें सफाई के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने का भी संदेश दिया है। आज रासेयो के स्वयंसेवकों ने अस्पतालों में भरती मरीजों से उनसे हाल-चाल लिया, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उन्हें शीघ्र ही स्वस्थ होने की कामना की। संभागीय परिवहन अधिकारी मोहम्मद कयूम ने कहा कि हमें सदैव यातायात नियमों का पालन करना चाहिए जिससे दुर्घटना के प्रतिशत में कमी लाई जा सके, वाहन चलाते समय स्वयं एवं अन्य लोगों पर ध्यान रखेंगे। यदि नियमों को ध्यान दिया जाए तो कभी भी दुर्घटना नहीं हो सकती है। यातायात निरीक्षक आलोक तिवारी ने कहा कि हमें सदैव यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए और सुरक्षित जीवन जीना चाहिए। स्वच्छता कार्यक्रम के इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजीव कुमार निरंजन, प्रदीपकुमार, रामसेवक चन्द्राकर, साधना नागल, रामलाल रायकवार, शुभी जैन, तथा यातायात के अन्य सहयोगी तथा रासेयो के स्वयंसेवक आदित्य कुमार वर्मा,सौरभ, काव्या बबेले, जानवी साहू,जय झा, अंकित झा, पंकज, ललित झा, सौरभ, सुमित, राघवेंद्र, नमन जैन, कृष्ण कुमार, विशाल कुशवाहा, रोहित कुमार वर्मा, अर्पित साहू, सुरेंद्र, छोटू शुक्ला, सत्येंद्र, नीरज सिंह, पूनम, राखी कुमारी, रोहित, दर्शन कुमार, पंकज, नंदराम, अंजली दिवाकर, सत्यम चैबे,रूपसिंह, आकांक्षा कटारे, रुपाली राय, नन्दनी सेन, पूजा ,अंतिम नायक, अनम, शालू जोशी, राखी कुशवाहा, वन्दना कुशवाहा, चाँदनी, शिवा, रीना कुशवाहा,लक्ष्मी अहिरवार, मुस्कान रैकवार,नन्दनी, अंशिका, सानिया, अंकिता, सूर्या तथा अन्य सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।अन्त में नोडल अधिकारी रासेयो डॉ.ओ.पी.चौधरी सभी सहयोगियों एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

शिवपुरी जिले के बदरवास में चोरों के होंसले बड़ते जा रहें

पुष्पांजलि टुडे से

बदरवास के ग्राम तिलातिली गांव के रहने वाले जगदीश सिंह यादव कि बदरवास से बाइक हुई चोरी चोरों के होंसले बड़ते जा रहें हैं पुलिस और प्रशासन मौन। बदरवास के तिलातिली गांव के रहने वाले (जगदीश सिंह यादव) ने मिडिया को जानकारी दी बताया कि दिनांक 27/10/2024 कि रात करीबन 7.45 बजे कि बात है कि मैं तथा मेरा बढ़ा भाई रणबीर सिंह यादव। ग्राम तिलातिली से बदरवास सामान लेने आए थे हमने हिरो एचएफ डीलेक्स मोटरसाइकिल क्र, एमपी 33 एमवही 4198 को संजय मेडिकल के सामने ए बी, के किनारे रख कर। सेविंग करवा रहा था । थोड़ी देर बाद देखा तो मेरी मोटरसाइकिल मुझे बहा नहीं मिली । कोई अज्ञात व्यक्ति मेरी मोटरसाइकिल को उठा ले गया है। जगदीश सिंह यादव पुत्र संग्राम सिंह यादव ने बदरवास थाना जाकर मोटरसाइकिल कि शिकायत दर्ज कराई गई।

शातिर ठग नरेंद्र प्रजापति गिरफ्तारः पुलिस ने 17,000 रुपए की ठगी करने वाले शातिर को भेजा जेल

पत्रकार सतीश परिहार

करैरा,(जिला शिवपुरी)= करैरा पुलिस ने एक शातिर ठग नरेंद्र प्रजापति करैरा को दबोचते हुए उसे जेल भेज दिया है, जिसने गेहूं बेचने के नाम पर एक महिला से 17,000 रुपए ठग लिए थे इस कार्रवाई में पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कदम उठाते हुए न केवल ठग को गिरफ्तार किया, बल्कि ठगी गई राशि भी बरामद कर पीड़ति को लौटाई। पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे थाना प्रभारी विनोद सिंह छावई के साथ एसआई अंजली सिंह, एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक राजेंद्र यादव, प्रभावती लोधी, आरक्षक शैलेंद्र रावत, पुष्पेंद्र चौहान, संदीप चौहान और राम अवतार गुर्जर ने इस मामले में सराहनीय भूमिका निभाई यह टीम लगातार सक्रियता दिखाते हुए ऐसे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, जो आम जनता को निशाना बनाते हैं। जानकारी के अनुसार, यह ठग पहले भी कई लोगों को ठग चुका है और लाखों रुपए की ठगी कर चुका है पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे इस प्रकार के ठगों से सावधान रहें और किसी भी तरह का लेन-देन करने से पहले पूरी जानकारी प्राप्त करें। हालांकि, इस मामले ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि पुलिस की सजगता और तत्परता किसी भी अपराधी को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ऐसे समय में जब ठगी और धोखाधड़ी के मामले बढ़ रहे हैं, पुलिस की ये कार्यवाहियां निश्चित रूप से समाज के प्रति सुरक्षा की भावना को मजबूत करती हैं।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रहेः कलेक्टर

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

28 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, एसडीएम श्री बीएस कलेश एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकरियों को निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का संतुष्टि के साथ त्वरित निराकरण करवाएं। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रहना चाहिए। 50 एवं 100 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए। सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में जिले को ए ग्रेड में लाने के लिए कारगर प्रयास करें। किसी भी अधिकारी की लापरवाही के कारण जिले की ग्रेडिंग प्रभावित नहीं होना चाहिए। बैठक में निर्देशित किया गया कि लोकसेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। समय सीमा के भीतर निराकरण नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारी पर जुर्माना लगाया जाएगा और यह राशि समय पर सेवा नहीं मिलने पर प्रभावित हुए व्यक्ति को प्रदान की जाएगी। सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर फटाखा दुकान का लायसेंस निरस्त करें।

56 दिनों के उपचार के बाद वजन बड़ने पर शिशु को किया गया डिस्चार्ज

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

जिला चिकित्सालय खरगोन के एसएनसीयू में भर्ती शिशु को 56 दिनों के उपचार के बाद वजन बड़ने पर 28 अक्टूबर को डिस्चार्ज कर दिया गया है। यह शिशु अब स्वस्थ्य है और उसके मता-पिता भी खुश है। सिविल सर्जन डॉ. अमर सिंह चौहान ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भगवानपुरा से 31 अगस्त को पिंकी/अनिल के नवजात शिशु को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय खरगोन रेफर किया गया था। समय से पहले जन्में शिशु का वजन मात्र 800 ग्राम था और उसका भगवानपुरा के अस्पताल में उपचार संभव नहीं था। पिंकी/अनिल के शिशु को जिला चिकित्सालय खरगोन के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया था। 56 दिनों के उपचार एवं नियमित देखरेख से शिशु को नया जीवन मिल गया है। 28 अक्टूबर को एसएनसीयू से डिस्चार्ज के समय शिशु का वजन 1400 ग्राम हो चुका है और अब वह पूरी तरह से स्वस्थ्य है। शिशु के माता-पिता पिंकी/अनिल अपने बच्चे के स्वस्थ्य होने से बहुत खुश है। एसएनसीयू में उपचार के लिए उन्हें कोई राशि भी खर्च नहीं करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय के एसएनसीयू में विशेष आवश्यकता वाले नवजात बच्चों का उपचार कराया जाता है। पिंकी/अनिल अपने बच्चे का उपचार किसी प्रायवेट अस्पताल में कराते तो उन्हें बहुत बड़ी राशि खर्च करना पड़ता है।

सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का तत्परता से करें निराकरण - कलेक्टर

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने समय सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में ली । बैठक में सीईओ जिला पंचायत जगदीश कुमार गोमे,अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल, एसडीएम भिण्ड अखिलेश शर्मा के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे साथ ही वर्चुअली रूप से एसडीएमगण एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कहा कि सभी विभाग उनके यहां लंबित शिकायतों का निराकरण तत्परता के साथ सुनिश्चित करें जिससे जिले की ग्रेडिंग में सुधार हो सके। उन्होंने समग्र ईकेवाईसी की समीक्षा कर कहा कि संबंधित अधिकारी समग्र ईकेवाईसी पर विशेष ध्यान दें और काम में गति लाऐं। उन्होंने पीएम जनमन योजना की समीक्षा कर जानकारी ली कि किसी का आयुष्मान कार्ड और खाद्यान्न पर्ची बनाए जाने हेतु शेष तो नहीं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास शहरी में अपूर्ण और अप्रारंभ आवासों की जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में पीएम आवास शहरी/ग्रामीण,शिक्षा,कृषि,जल जीवन मिशन,शुद्ध पेयजल,खाद वितरण की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिऐ।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 गोहद में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

भिंड गोहद दिनांक 28 अक्टूबर 2024 को शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 गोहद में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न बेटाओं एवं बेटियों द्वारा दीप मलिक का निर्माण एवं रंगोली निर्माण किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस नगर निरीक्षक मनीष धाकड़ प्राचार्य उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय गोहद रविंद्र सिंह चौहान संकुल प्राचार्य सचिन कक्कर खंड शिक्षा अधिकारी श्याम किशोर भारद्वाज बीआरसी नरेंद्र सिंह भदोरिया प्रधानाध्यापक आचार्य बृजमोहन शर्मा सरस्वती शिशु मंदिर के अध्यक्ष ओम प्रकाश सचिव महेश श्रीवास्तव डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव प्रधानाचार्य सरस्वती शिशु मंदिर बंसल पवैया क्रीड़ा भारती के अरविंद शर्मा संजय शुक्ला नोडल किरण शुक्ला रविंद्र सोनी सुनील सिंह दिलीप अग्रवाल प्रिया सिंघल जितेंद्र शर्मा श्याम सुंदर राठौर लता सिंह अंकित सौंदर्य पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रजक एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्य पालक शिक्षक संघ के सदस्य एवं नगर के गणमानी जन उपस्थित थे दीपावली मिलन समारोह में मां लक्ष्मी जी का पूजन किया जाता है इसीलिए इस कार्यक्रम के अवसर पर सभी को मां लक्ष्मी की प्रतिमा मुख्य अतिथियों एवं प्रधानाध्यापक द्वारा भेंट की गई

दिनारा में सड़क हादसाः अशोक होटल के पास ट्रैक ने कार को जोरदार टक्कर मारी, कार सवार परिवार बाल-बाल बचा

हरिओम चतुर्वेदी पत्रकार

दिनारा के अशोक होटल के पास एक भयानक सड़क हादसा टला शिवपुरी से आ रहे एक ट्रैक ने कानपुर जा रही एक कार को ओवरटेक करते समय जोरदार टक्कर मारी, जिसमें कार में बैठा परिवार बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद दिनारा पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जप्त कर लिया और थाने में रखवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसमें भूमिका रही। विशाल शर्मा आनंद शर्मा। इन्होंने मोके पर जाकर अपनी मेहनत से गाड़ियों को अलग-अलग करवाया साथ में जाम भी खुलवाया।

खरगोन मण्डी में 29 अक्टूबर 03 नवंबर तक कपास एवं अनाज की नीलामी रहेगी बंद

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कृषि उपज मण्डी खरगोन में धनतेरस, लक्ष्मी पूजन, पड़वा एवं भाईदूज होने से 29 अक्टूबर से 03 नवंबर 2024 तक कपास एवं अनाज नीलामी का कार्य बंद रहेगा। कृषि उपज मण्डी खरगोन की सचिव श्रीमती शर्मिला निनाामा ने समस्त किसान बन्धुओं से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए 29 अक्टूबर से 03 नवंबर तक मण्डी प्रांगण में कपास एवं अनाज विक्रय करने के लिए ना लाए।

श्रीलंका के संसदीय चुनाव के इतिहास में पहली बार ट्रांसजेंडर चानू निमेशा मैदान में

कोलंबो। श्रीलंका के संसदीय चुनाव इतिहास में चानू निमेशा मैदान में उतरने की घोषणा कर पहली ट्रांसजेंडर उम्मीदवार बन गई हैं। वो श्रीलंका

सोशलिस्ट पार्टी की महिला मामलों की सचिव हैं। निमेशा केगले जिले से चुनाव लड़ेंगी। डेली मिरर की खबर में आज यह जानकारी दी गई। निमेशा ने पत्रकारों से कहा, आम चुनाव लड़ने का मौका देने के लिए मैं श्रीलंका सोशलिस्ट पार्टी की आभारी हूं। इस तरह पहली बार चुनाव लड़ने के लिए एक ट्रांसजेंडर उम्मीदवार को मैदान में उतारकर मेरी पार्टी ने इतिहास रचा।

इजरायल ने ईरानी ठिकानों पर किया जवाबी हमला

यरूशलम। इजरायल ने ईरान में सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमला पूरा कर लिया है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने सुबह एक बयान में कहा कि हाल के महीनों में ईरान की ओर से किए गए हमलों के जवाब में, उसने ईरान के कई इलाकों में लक्ष्यों पर 'सटीक और लक्षित' हवाई हमले किए। बयान के अनुसार, इजरायली विमानों ने मिसाइल निर्माण सुविधाओं, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और अन्य ईरानी हवाई क्षमताओं पर हमला किया। आईडीएफ प्रवक्ता डैनियल हगारी ने एक वीडियो बयान में कहा कि इस अभियान ने इजरायल के लिए तत्काल खतरों को विफल कर दिया है। ईरानी प्रत्यक्षदर्शियों ने सुबह कहा कि देश की राजधानी तेहरान के आसपास बड़े विस्फोटों की आवाज सुनी गई। गौरतलब है कि एक अक्टूबर को ईरान ने इजरायली ठिकानों पर लगभग 180 मिसाइलें दागीं। ईरान ने इस कार्रवाई को क्षेत्रीय प्रतिरोध समूहों के कई नेताओं की हत्याओं का प्रतिशोध बताया।

इराकी पर्यावरण मंत्री ने दिया इस्तीफा

बगदाद। इराकी पर्यावरण मंत्री निज़ार अमेदी ने मंत्री मंडल से इस्तीफा दे दिया है। आधिकारिक इराकी समाचार एजेंसी (आईएनए) ने यह जानकारी दी। आईएनए ने एक अज्ञात सूत्र के हवाले से कहा कि श्री अमेदी ने अपनी राजनीतिक पार्टी पैट्रियटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के भीतर अपने राजनीतिक कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने के लिए इराकी प्रधान मंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को अपना इस्तीफा सौंप दिया।कुर्दिश मीडिया ने बताया कि अमेदी का इस्तीफा पीयूके के भीतर विचार-विमर्श के बाद आया, जहां यह निर्णय लिया गया कि वह बगदाद में पार्टी से संबंधित जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने कैबिनेट मंत्री पद से हट जाएंगे।

मध्य इराक में हवाई हमले में आईएस के 4 आतंकवादी ढेर

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद के उत्तर में सलाहुद्दीन प्रांत में हवाई हमले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के चार आतंकवादी मारे गए। इराकी सेना ने यह जानकारी दी। ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड से संबद्ध मीडिया आउटलेट (सुरक्षा मीडिया सेल) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार खुफिया रिपोर्टों और चार दिनों की निगरानी के आधार पर, इराकी बलों ने प्रांत के पूर्वी हिस्से में आईएस ठिकाने पर स्थानीय समय अनुसार शाम 5:50 बजे हवाई हमला किया। बयान में कहा गया है कि हवाई हमले में चार आईएस आतंकवादी मारे गए और उनका ठिकाना नष्ट हो गया। वर्ष 2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि, आईएस के अवशेष शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में घुस गए हैं और सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार गुरिल्ला हमले कर रहे हैं।

प्राकृतिक आपदा के बावजूद सागरमाथा क्षेत्र में पर्यटकों की उत्साहजनक उपस्थिति

काठमांडू। पिछले एक महीने में करीब 9,000 ट्रेकर्स ने सागरमाथा क्षेत्र (माउंट एवरेस्ट बेस कैंप क्षेत्र) का दौरा किया, जिसे स्थानीय रूप से खुम्बू क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। पिछले महीने नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में आए बाढ़ और भूस्खलन के साथ ही हिमालयी क्षेत्र में बर्फीले तूफान (एवलांच) के बाद भी पर्यटकों का इस क्षेत्र में उत्साहजनक उपस्थिति देश के पर्यटन क्षेत्र के लिए शुभ संकेत हैं। सागरमाथा राष्ट्रीय उद्यान कार्यालय, नामचे के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2024/25 के मध्य सितंबर से मध्य अक्टूबर तक कुल 8,986 पर्यटक खुम्बू क्षेत्र में पहुंचे। यहां के कार्यवाहक अधिकारी विवेक श्रेष्ठ ने कहा कि पार्क ने प्रवेश शुल्क के लिए आगंतुकों से 02 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व एकत्र किया जा सका है। नेपाली नागरिकों के लिए क्षेत्र में प्रवेश शुल्क 100 रुपये प्रति व्यक्ति, सार्क सदस्य देशों के नागरिकों के लिए 1500 रुपये और अन्य देशों के लोगों के लिए 3,000 रुपये है। जुलाई के मध्य से अगस्त के मध्य के भीतर इस सागरमाथा क्षेत्र में प्रवेश करने वाले

केवल 125 ट्रेकर्स गए थे, जबकि 1,331 ट्रेकर्स ने अगस्त के मध्य से सितंबर के मध्य के भीतर इस क्षेत्र का दौरा किया था। श्रेष्ठ ने बताया कि इस अवधि के दौरान उनकी महज 36 लाख रुपये का ही राजस्व अर्जित किया जा सका था। श्रेष्ठ ने कहा कि नेपाल में सितंबर के अंतिम सप्ताह में आए भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण पर्यटन विभाग को बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि एक महीने के बाद ही पर्यटकों की इतनी संख्या हो जाएगी लेकिन विदेशी पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या से स्थानीय व्यापारी और पर्यटन विभाग दोनों ही खुश है। पीक सीजन के दौरान औसतन लगभग 1,000 पर्यटक रोजाना इस क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में सूचीबद्ध, सागरमाथा का यह क्षेत्र 1,148 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जिसकी ऊंचाई 1,800 मीटर से 8,848 मीटर तक है।

ओली सरकार के विरोध में माओवादी का शक्ति प्रदर्शन

काठमांडू। नेपाल के प्रमुख प्रतिपक्षी दल माओवादी ने राजधानी काठमांडू में ओली सरकार के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन में माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड खुद सड़क पर जुलूस का नेतृत्व कर रहे थे। हजारों समर्थकों के साथ सड़क पर उतरे माओवादी ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ओली सरकार के सौ दिन पूरे होने पर असफल सरकार होने का दावा करते हुए सरकार की कमी कमजोरियों को उजागर किया गया था। विरोध सभा में बोलते हुए माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड ने प्रधानमंत्री ओली द्वारा माओवादी पर सरकार गिराने के लिए षड्यंत्र किए जाने के आरोप का जवाब दिया। प्रचंड ने कहा कि ओली सरकार को गिराने के लिए कोई भी षड्यंत्र की आवश्यकता नहीं है। यह वह सड़ा हुआ फल है जो खुद ही गिर जाएगा। प्रचंड ने ओली पर असफल सरकार का नेतृत्व करने और नेपाल का अंतराष्ट्रीय संबंध में खलल डालने का आरोप भी लगाया है। अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए प्रचण्ड ने कहा कि तीन महीने पहले जब वो सरकार का नेतृत्व कर

रहे थे तब नेपाल के अपने दोनों पड़ोसी देशों के साथ सुमधुर संबंध थे। उन्होंने कहा कि अपने डेढ़ वर्ष के कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत, चीन और अमेरिका का भ्रमण किया था। लेकिन ओली को प्रधानमंत्री बने हुए तीन महीने से अधिक हो गया लेकिन अब तक उनको न भारत से न चीन से और न अमेरिका से औपचारिक भ्रमण का निमंत्रण आया है। प्रचंड ने कहा कि ओली सरकार हर दृष्टिकोण से विफल है और अपनी विफलता को छुपाने के लिए वो सरकार के गिरने का हल्ला फैला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ओली सरकार से नेपाल की आम जनता तीन महीने के ही त्रस्त हो गई है। इसलिए जनता सड़क से ही इस सरकार को गिरा देगी। प्रचंड ने बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए कहा कि ढाका की सत्ता पर दो तिहाई बहुमत वाली सरकार थी लेकिन जनता जब सड़क पर उतर गई तो दो तिहाई वाले प्रधानमंत्री को देश छोड़ कर भागना पड़ा था।

जिहादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम ने ढाका के चार मीडिया हाउसों पर हमले की दी धमकी, सुरक्षा बल तैनात

ढाका। प्रतिबंधित जिहादी संगठन 'अंसारुल्लाह बांग्ला टीम' (एबीटी) ने राजधानी ढाका में चार मीडिया हाउसों पर हमले की धमकी दी है। एबीटी प्रमुख जसीमुद्दीन रहमानी को हाल ही में अंतरिम सरकार के आदेश पर जेल से रिहा किया गया था। जेल से रिहा होने के बाद, एबीटी-प्रमुख जसीमुद्दीन ने चार लोकप्रिय मीडिया हाउस 'दैनिक कालबेला', 'प्रोथोम अलो', 'डेली स्टार' और 'दैनिक समकाल' के कार्यालयों को घेर लिया और हमला करने की धमकी दी। एबीटी की ओर से जारी धमकी के मद्देनजर ही संबंधित मीडिया कार्यालय के परिसर में सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। हालांकि, अभी तक मीडिया हाउस में किसी अप्रिय घटना की खबर सामने नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले, एबीटी प्रमुख जसीमुद्दीन रहमानी ने धमकी दी थी और कहा था कि वह को दोपहर 3 बजे दैनिक कालबेला, प्रोथोम अलो, डेली स्टार

और दैनिक समकाल कार्यालयों को घेर लेंगे। खतरे को देखते हुए जुमे की नमाज से पहले विभिन्न विभागों के सुरक्षा बलों ने चारों मीडिया कार्यालयों के सामने मोर्चा संभाल लिया। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए मीडिया कार्यालयों के आसपास सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के अतिरिक्त उपायुक्त (मीडिया) ओबैदुर रहमान ने कहा कि सुरक्षा कारणों से विभिन्न विभागों की पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। जरूरत पड़ने पर और पुलिस तैनात की जाएगी। राजधानी के न्यू मार्केट से सटे विश्वास बिल्डर्स स्थित दैनिक कालबेला के एक पत्रकार ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे पुलिस के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा जवान उनके कार्यालय के सामने जमा हो गये। शाम करीब पांच बजे वे चले गये। हालांकि, अभी तक कार्यालय में कोई अप्रिय घटना नहीं घटी है फार्मगेट इलाके में स्थित डेली स्टार के एक पत्रकार ने बताया कि करीब एक बजे उनके कार्यालय के सामने सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। वे शाम करीब पांच बजे चले गये। दोनों मीडिया के पत्रकारों ने कहा कि प्रोथोम अलो और समकाल अखबारों पर कोई हमला नहीं हुआ है। हालांकि, धमकियों के मद्देनजर कार्यालयों की घेराबंदी और कानून-व्यवस्था बलों की तैनाती ने चारों मीडिया आउटलेट्स के कर्मचारियों में चिंता पैदा कर दी है। मीडियाकर्मियों के मुताबिक, हाल ही में जसीमुद्दीन रहमानी जेल से रिहा हुआ है। मीडिया पर हमला करने और घेरने की धमकी दे रहा है। उन्होंने कहा कि इसे जल्द कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि बीते गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक महफूज आलम ने कहा था कि कुछ मीडिया हाउसों को घेरने की धमकी की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया जाएगा।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया

कोलंबो। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने देश के सभी नागरिकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया में एक संघर्ष चल रहा है। उसकी लपटों में विभिन्न देश झुलस रहे हैं। इस संघर्ष से जुड़े कुछ जोखिम हमारे देश श्रीलंका तक पहुंच गए हैं। उन्होंने यह टिप्पणी गुरुवार को पुट्टलम में नेशनल पीपुल्स पावर रैली के संबोधन में की। डेली न्यूज अखबार के अनुसार राष्ट्रपति ने कहा, 'लगभग दो सप्ताह पहले रिपोर्टों में इस वैश्विक स्थिति से संबंधित एक संभावित घटना का संकेत श्रीलंका को दिया गया। हमने संबंधित क्षेत्रों में तेजी से सुरक्षा बढ़ा दी है। जब खुफिया रिपोर्ट आती है तो हम मीडिया में चर्चा नहीं करते। इसके बजाय, हम इनपुट पर जिम्मेदारी से कार्य करते हैं। हमारा कर्तव्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हमने खुफिया जानकारियों के आधार पर फौरन जांच शुरू की और कई संदिग्धों को हिरासत में लेने में सफल रहे। हालांकि, इसका प्रचार नहीं किया गया, न ही मीडिया ब्रीफिंग आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि एक सरकार के रूप में उनकी जिम्मेदारी किसी भी खतरनाक घटना को होने से रोकना है। खुफिया इनपुट पर बिना घबराहट के काम किया गया। इस पूरी प्रक्रिया के

दौरान वह पुलिस, खुफिया सेवाओं और सुरक्षा क्षेत्र के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहे। उल्लेखनीय है पिछले दिनों भारत ने खुफिया इनपुट दिया था कि श्रीलंका में इजराइल के नागरिकों पर हमला हो सकता है। इस इनपुट के आधार पर श्रीलंका ने अपने तीन नागरिकों को गिरफ्तार कर इस खतरे को टालने में सफलता पाई।

पुतिन ने लेफ्टिनेंट कर्नल अर्टोम जोगा को रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में नियुक्त किया

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लेफ्टिनेंट कर्नल अर्टोम जोगा को रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में नियुक्त किया है। लेफ्टिनेंट कर्नल अर्टोम फिलहाल उरल्स संघीय जिले में क्रेमलिन के दूत हैं। पूर्वी यूक्रेन में रूस के कब्जे वाले डोनेट्स्क क्षेत्र में पदस्थ रहे इस सैन्य अधिकारी ने पिछले साल सार्वजनिक रूप से पुतिन से 2025 का अगला चुनाव फिर से लड़ने का आग्रह कर प्रसिद्धि पाई थी।मॉस्को टाइम्स की खबर के अनुसार राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन युद्ध के अनुभवी अर्टोम को इस महीने की शुरुआत में उरल्स संघीय जिले में अपने दूत के रूप में नियुक्त किया। यह रूस के विशाल सैन्य औद्योगिक क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लेफ्टिनेंट कर्नल

अर्टोम रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के 21 गैर स्थायी सदस्यों में से होंगे। परिषद में 13 स्थायी सदस्य होते हैं। इनमें प्रमुख सुरक्षा एजेंसियों के नेता और उच्च पदस्थ विधायी और कार्यकारी अधिकारी शामिल होते हैं। राष्ट्रपति पुतिन सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष हैं। पूर्व रक्षामंत्री सर्गेई शोइगु सचिव और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव उप सचिव के रूप में कार्यरत हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रभावशाली निकाय है। इस निकाय की प्रमुख नीतिगत बदलावों में अहम भूमिका होती है। यही परिषद अंतर-एजेंसी विवादों की मध्यस्थता करती है।

इज़रायली हमले के बीच ईरान में उड़ानें 'अगली सूचना' तक रद्द

तेहरान। ईरानी क्षेत्र पर शनिवार रात भर हुए इजरायली हमले के मद्देनजर ईरान में उड़ानें 'अगली सूचना' तक रद्द कर दी गई हैं। 'शफकना' समाचार एजेंसी ने ईरान नागरिक उड्डयन संगठन के एक प्रवक्ता के हवाले से खबर दी। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार रात कहा कि उसने एक अक्टूबर को यहूदी राज्य पर हुए हमलों के जवाब में ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। सीबीएस न्यूज ने एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि ईरान पर इजरायली हमला सैन्य तक ही सीमित था। लक्ष्य और परमाणु या तेल सुविधाओं तक विस्तारित नहीं। समाचार एजेंसी ने दावा किया कि इज़रायल ने तेहरान के पश्चिम और

दक्षिण पश्चिम में कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया। वहीं, तस्नीम समाचार एजेंसी ने कहा कि ईरानी राजधानी के पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में स्थित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी, सशस्त्र बलों की विशिष्ट इकाइयां) के सैन्य केंद्रों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। स्पुतनिक संवाददाता की रिपोर्ट के अनुसार, सुबह लगभग 4:25 बजे तेहरान के मध्य भाग में, रूसी दूतावास के क्षेत्र में, आकाश में शक्तिशाली विस्फोटों की दूसरी श्रृंखला सुनी गई।

पाकिस्तान: पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले में आठ लोगों की मौत

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग अन्य लोग घायल भी हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हमला अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले के मीर अली तहसील में असलम जांच चौकी पर हुआ है। अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस बीच सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर

लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक तीन पहिया वाहनों पर सवार होकर आए हमलावरों ने जांच चौकी और सुरक्षा बलों के वाहनों को टक्कर मारी जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई।

मारे गए लोगों में 4 पुलिसकर्मी, 2 सैनिक और 2 नागरिक शामिल हैं जबकि हमले में घायल हुए लोगों को मीरान शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई हालत गंभीर बनी हुई है। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र से आतंकी संगठनों के पूरी तरह खत्म होने तक उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

ईरान में पुलिस के काफिले पर हमला, दस अधिकारियों की मौत

तेहरान। ईरान के अशांत बलूचिस्तान और दक्षिणी प्रांत सिस्तान में ईरानी पुलिस के काफिले पर बड़ा हमला हुआ है। इस हमले में 10 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। यह हमला गौहर कुह में हुआ, जो राजधानी तेहरान से लगभग 1,200 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व पर स्थित है। ईरान के बलूच समर्थित संगठन हालवाश ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि दो सैन्य वाहनों पर हुए हमले में तापतान शहर में 10 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई है। बयान के मुताबिक दोपहर में गौहर कुह शहर के प्रवेश द्वार पर शहर के मुख्यालय के पुलिस बलों के दो सैन्य वाहनों पर हमला किया गया और दोनों वाहनों के सभी यात्रियों की जान चली गई।

हलवाश ने सोशल मीडिया प्लेट फार्म इंस्टाग्राम पर ईरानी पुलिस की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली हरी पट्टी से रंगे एक खराब ट्रक की तस्वीरों के साथ वीडियो भी पोस्ट किया है। इसमें एक ट्रक की सीट पर दो पुलिस अधिकारियों की शव दिखाई दे रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक ईरान के आंतरिक मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने पुलिस काफिले पर हमले की घटना की जांच का आदेश दिया है। उन्होंने स्वीकार किया है कि हमले में पुलिस के कई जवान शहीद हुए हैं। ईरान, अफगानिस्तार और पाकिस्तान के बलूच क्षेत्रों में दो दशकों से भी अधिक समय से बलूच विद्रोहियों की हिंसा जारी है। ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान का इलाका हेरोइन तस्करों से जुड़ी हिंसा का केंद्र बन गया है। अक्टूबर की शुरुआत में बलूच इलाके में ईरानी सुरक्षा बलों ने अफगान प्रवासियों की हत्या की घटना घटी थी। इसके बाद तालिबान के साथ उनके रिश्ते और भी खराब हो गए थे। हलवाश की ओर से कहा गया है कि हमलावरों ने दो सुरक्षा बलों के वाहनों पर निशाना बनाया और उसमें सवार सभी की मौत हो गई।

इजरायली ने सीरिया में सैन्य ठिकाने को बनाया निशाना

दमिश्क। इजरायली सैन्य बलों ने सीरिया के दक्षिणी और मध्य क्षेत्र में सैन्य ठिकाने को निशाना बनाकर कई हवाई हमले किये। सीरिया रक्षा मंत्रालय ने तड़के बताया कि इजरायली सैन्यों ने अंतरराष्ट्रीय हवाई हमला देर रात करीब 11 बजे किया। उन्होंने इजरायल के कब्जे वाली गोलान हाइट और लेबनान हवाई अड्डे की ओर से कई मिसाइलें दागीं। मंत्रालय के अनुसार, उनके सैनिकों ने कई इजरायली मिसाइलों को मार गिराया है। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था

सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली विमान ईरान से जुड़े स्थानों को निशाना बनाने के लिए सीरियाई हवाई क्षेत्र में घुसे थे। सीरियाई वायु रक्षा बलों ने विमानों को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुँचने से नहीं रोक पाए। वहीं इजरायल ने आज घोषणा की कि उसने ईरान में सैन्य ठिकानों पर 'सटीक हमले' किए और अब अभियान समाप्त हो गया है। दूसरी तरफ, ईरान ने बताया कि उसने सफलतापूर्वक हमले का जवाब दिया है।

सूडान अर्धसैनिक हमले में 50 की मौत

खार्तूम। मध्य सूडान के एक गांव पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में 50 से अधिक लोग मारे गए और 200 से अधिक घायल हो गए। गैर-सरकारी समूहों ने यह जानकारी दी। गीज़िरा राज्य की राजधानी वाड मदनी में एक स्वयंसेवी समूह, प्रतिरोध समिति ने कहा, सुबह, आरएसएफ मिलिशिया ने अल कामलिन इलाके के अलसेरिह्या गांव पर भारी गोलाबारी और बमबारी की। इसमें कहा गया, अलसेरिह्या गांव के 53 से अधिक नागरिक मारे गए और 200 से अधिक अन्य घायल हो गए,

जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। एक गैर-सरकारी समूह, गीज़िरा कॉन्फ्रेंस ने एक बयान में कहा, सुबह से, एक आरएसएफ बल ने गीज़िरा राज्य के उत्तर में अल कामलिन इलाके के अलसेरिह्या गांव पर धावा बोल दिया, ऊंची इमारतों के ऊपर अपने हथियार और तोपें स्थापित कर दीं और निहत्थे नागरिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सूडान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में गीज़िरा राज्य के गांवों और शहरों के खिलाफ आरएसएफ के जवाबी अभियान की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि आरएसएफ आदिवासी और क्षेत्रीय आधारों पर अभियान चला रहा है, जो नरसंहार और जातीय सफाए के समान है।

शरवरी ने शेयर किया दीपावली लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें उन्होंने दीपावली लुक को रिवील किया है। उन्होंने बताया है कि उन्हें अपने पहनावे में 'देसी फ्लेवर' कितना पसंद है। शरवरी ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने अबू जानी और सैंडी खोसला के डिजाइन किए खूबसूरत सुनहरे और रंगीन लहंगा पहना। इस दौरान वे चिप्स भी खाती दिखीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा,दिवाली लुक के लिए देसी मसाला और केला वेफर्स मेरा पसंदीदा फ्लेवर है, मुझे कल शाम शानदार महसूस कराने के लिए धन्यवाद अबू जानी और सैंडी खोसला, यह वाकई मेरा अब तक का सबसे पसंदीदा लुक है। एक्ट्रेस ने 26 अक्टूबर को कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वह डबल लेयर्ड घाघरा पहने बेहद ही खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दिवाली ग्लिटर! एक्ट्रेस शरवरी के लिए साल 2024 काफी सफल साबित हुआ है, साल की शुरुआत हिट फिल्म 'महाराज' से हुई और उसके बाद निखिल आडवाणी की 'वेदा' में शानदार अभिनय के लिए तारीफें बटोरीं। इसके अलावा वह फिल्म मुंज्या में भी दिखाई दी थीं। फिलहाल, वह आगामी प्रोजेक्ट 'अल्फा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह आलिया भट्ट के साथ हैं, जिसका निर्देशन 'द रेलवे मेन' फेम शिव रवैल ने किया है।

माधुरी दीक्षित के लिए बेहद खास है इस बार की दिवाली

फिल्म जगत को एक से बढ़कर एक सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री माधुरी दीक्षित 'भूल भुलैया 3' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए इस साल दिवाली कुछ ज्यादा ही खास है। बात करते हुए माधुरी दीक्षित ने बताया कि वह रोशनी के इस त्योहार दिवाली को कैसे मनाएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि इस साल श्रीराम नेने के साथ उनकी शादी के 25 साल पूरे हो गए हैं, जिससे यह अवसर और भी यादगार बन गया है। अभिनेत्री ने कहा 'अमेरिका में पढ़ रहे मेरे बच्चों की मुझे कमी खलेगी। दिवाली पर हम आमतौर पर अपने घर में लक्ष्मी पूजा करते हैं और मुझे दीपक, रंगोली पसंद हैं। उस दिन घर में पूजा भी होती है।

'सिंघम अगेन' का टाइटल ट्रैक 'विनाशम करोहम' रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन का टाइटल ट्रैक 'विनाशम करोहम' रिलीज हो गया है। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन, सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है।ट्रेलर और गाना 'जय बजरंगबली' रिलीज होने के बाद, निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल ट्रैक 'विनाशम करोहम' रिलीज कर दिया है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सिंघम अगेन' के टाइटल ट्रैक 'विनाशम करोहम' का वीडियो साझा किया। गाने में अजय देवगन पुलिस की वर्दी पहने हुए हैं।वीडियो में अन्य कलाकारों टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, अक्षय कुमार, करीना कपूर और रणवीर सिंह के किरदारों की भी झलक देखने को मिली है।

प्रदेश महामंत्री रामेंद्र श्रीवास्तव ने कर्मियों के आवास पहुंच कर व्यक्त कीं शोक संवेदनायें

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। रविवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज्य ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री रामेन्द्र श्रीवास्तव का जनपद ललितपुर आगमन हुआ जिसमें ब्लाक तालबेहट के ब्लाक अध्यक्ष राजेश कुमार के साथ तालबेहट के साथी कर्मचारियों द्वारा सर्वप्रथम तालबेहट में स्वागत हुआ। तत्पश्चात सुबह 11 बजे गजेन्द्र सिंह कोषाध्यक्ष ;राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषदद्ध के आवास पहुंचकर मुलाकात की एवं दोपहर 12 बजे जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन कुमार से शिष्टाचार भेंट हुई। दोपहर 1 बजे मंगल सिंह मंडल महामंत्री के आवास पहुंचकर उनके श्रद्धेय पिताजी की आकस्मिक देहांत होने पर शोकाकुल परिवार से भेंट की। दोपहर 2ण्30 बजे विकास खंड जखौरा की रेखा के आवास पहुंचकर कर उनकी पुत्री की आकस्मिक मृत्यु पर दुरूख की घड़ी में शोकाकुल परिवार से भेंट कर्मचारी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। अपराह्न 3 बजे जिलाध्यक्ष विवेक सिंह के आवास पर पहुंच कर श्रद्धांजलि में शामिल होकर शोकाकुल परिवार से भेंट करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। प्रदेश महामंत्री रामेंद्र श्रीवास्तव के साथ चंद्रशेखर आजाद मंडल महामंत्री व अटेवा के जिला महामंत्री रामेंद्र यादव भी झांसी से साथ में रहे। जनपद ललितपुर से प्रदीप सोनीए जिला महामंत्री जेण्पीण् कुशवाहाए मंगल सिंह पटेलए संगठन मंत्री अरविन्द कुमारए ओमप्रकाशए गजेन्द्र सिंहए राजेन्द्र कुशवाहाए रामप्रसाद कुशवाहाए भारतीय किसान यूनियन के लाखन सिंह पटेल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे

आईटीआई के मेधावियों को प्रशस्ति पत्र व मेडल किये प्रदान

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। एनसीवीटी भारत सरकार द्वारा अखिल भारतीय व्यावसायिक परीक्षा अगस्त 2024 में उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को सम्मानित करने हेतु राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन में विधायक रामरतन कुशवाहा द्वारा सर्वप्रथम विश्वकर्मा भगवान के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में आईटीआई ललितपुरए महरौनी एवं तालबेहट के सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति पत्रए अंक पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। आईटीआई ललितपुर के व्यवसाय. इलैक्ट्रीशियन पावर डिस्ट्रीव्यूशन में प्राशी चौरसियाए फिटर में अराधना एवं इलैक्ट्रोनिक्स मैकेनिक में विशाल झांए आईटीआई महरौनी के व्यवसाय. इलैक्ट्रीशियन में मोहन लालए मशीनिष्ट में यशवीर सिंहए ड्रेस मेकिंग में भारतीए आईटीआई तालबेहट के व्यवसाय. कोपा में रूपेश झांए कॉस्मेटोलॉजी में शिवी झां एवं मैकेनिक डीजल में महेन्द्र कुशवाहा के साथ समस्त प्रशिक्षार्थी सम्मिलित हुये। विधायक रामरतन कुशवाहा ने महिला सशक्तिकरण में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं महिला जागरूकता तथा तकनीकि शिक्षा प्राप्त कर स्वंय के कौशल से अपने भविष्य को कैसे उज्जवल कर सकते है। साथ ही साथ सरकार के विभिन्न योजनों से प्रशिक्षार्थियों को अवगत कराया। इसी क्रम में आईटीआई नोडल प्रधानाचार्य विवेक कुमार तिवारी ने प्रधानमंत्री की भाषण में दिये गये वक्तव्य आईआईटी नहीं आईटीआई की देश में सभी को प्रशिक्षित होने की आवश्यकता है जिससे की देश तकनीकि रूप से विकास कर सके। इस दौरान कार्यदेशक अनूप कुमार नामदेवए चन्द्रभान प्रजापतिए गितेश्वर कुमार सावए प्रमोद कुमार तिवारीए रामेश्वरए नीरजवालाए उर्मिला कुशवाहाए बबीता सिंगरयाए मिथिलेश राजए विनोद कुमार पटेलए धर्मेन्द्र कुशर्मा एवं संस्थान के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

70 वर्ष की हुईं पार्श्वगायिका अनुराधा पौडवाला

बॉलीवुड की मशहूर पार्श्वगायिका अनुराध पौडवाल आज 70 वर्ष की हो गयीं। अनुराधा पौडवाल का जन्म 27 अक्टूबर 1954 को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ करवार में हुआ। अनुराधा पौडवाल ने अपनी पढ़ाई मुंबई के जेवियर कॉलेज से की।बचपन से ही उनका रुझान संगीत की ओर था और वह पार्श्वगायिका बनने का सपना देखा करती थी।अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्होंने बॉलीवुड का रुख किया।आरंभिक दिनों में उन्हें हालांकि काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने वर्ष 1973 में प्रदर्शित फिल्म "अभिमान" से अपने करियर की शुरूआत की। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन और जया भादुड़ी की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में उन्हें मशहूर संगीतकार सचिन देव बर्मन के निर्देशन में एक संस्कृत के श्लोक गाने का अवसर मिला जिससे अमिताभ बच्चन काफी प्रभावित हुये। वर्ष 1974 में अनुराधा पौडवाल को मराठी फिल्म यशोदा में भी पार्श्वगायन करने का अवसर मिला।

वर्ष 1976 में प्रदर्शित फिल्म कालीचरण में उनकी आवाज में एक बटा दो दो बटा चार उन दिनों बच्चों में काफी लोकप्रिय हुआ था। इस बीच अनुराधा ने आपबीती, उधार का सिंदूर, आदमी सड़क का, मेने जीना सीख लिया, जाने मन और दूरियां जैसी बी और सी ग्रेड वाली फिल्मों में पार्श्वगायन किया लेकिन इन फिल्मों से उन्हें कोई ख़ास फायदा नहीं पहुंचा। लगभग सात वर्ष तक मायानगरी मुंबई में संघर्ष करने के बाद 1980 में जेकी श्रॉफ और मीनाक्षी शेषाद्रि अभिनीत फिल्म हीरो में लक्ष्मीकांत प्यारे लाल के संगीत निर्देशन में तू मेरा जानू है तू मेरा दिलवर है की सफलता के बाद अनुराध पौडवाल बतौर पार्श्वगायिका फिल्म जगत में कुछ हद तक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गयी। वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म उत्सव बतौर पार्श्वगायिका उनके करियर की महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी।शशि कपूर के बेनर तले बनी इस फिल्म में अनुराधा को लक्ष्मीकांत प्यारे लाल के संगीत निर्देशन में मेरे मन बजा मृदंग गीत गाने का अवसर मिला जिसके लिये वह सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका के फिल्म फेयर पुरस्कार से भी सम्मानित की गयी।

अनुराधा पौडवाल की किस्मत का सितारा वर्ष 1990 में प्रदर्शित फिल्म आशिकी से चमका।बेहतरीन गीत-संगीत से सजी इस फिल्म की जबरदस्त कामयाबी ने न सिर्फ अभिनेता राहुल राय, गीतकार समीर और संगीतकार नदीम-श्रवण और पार्श्वगायक कुमार शानू को शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचा दिया बल्कि उनको भी फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित कर दिया। फिल्म के सदाबहार गीत आज भी दर्शकों और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। नदीम-श्रवण के संगीत निर्देशन में अनुराधा पौडवाल की आवाज में रचा बसा सांसो की जरूरत हो जैसे, नजर के सामने जिगर के पार, अब तेरे बिन जी लेंगे हम, धीरे-धीरे से मेरी जिंदगी में आना, मैं दुनिया भूला दूंगा तेरी चाहत में और मेरा दिल तेरे लिये धड़कता है। श्रोताओं में काफी लोकप्रिय हुये।

लड़कियां शिक्षित होकर परिवार और समुदायों को बनाती हैं सशक्त रू यशवन्त कुमार

कारागार में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। जिला जजध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आलोक कुमार पाराशर के निर्देश पर एडीजेध्सचिव यशवन्त कुमार सरोज द्वारा जिला कारागार में जेण्डर एक्वालिटिए पीसीपीएनडीटी एक्टए इम्प्रूवमेंट एण्ड प्रोटेक्शन ऑफ वूमेनए मेटिरीमोनिएल डिस्प्यिूट पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एडीजेध्सचिव यशवन्त कुमार सरोजए कारागार अधीक्षक लाल रत्नाकर सिंहए चिकित्साधिकारी डाण्चिकित्साधिकारी ने निरूद्ध महिला बन्दियों को अवगत कराया कि हमें याद रखना चाहिए कि लिंग समानता केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं हैए यह सभी का मुद्दा है। जब हम महिलाओं को सशक्त करते हैंए तो इससे पूरे समाज को लाभ होता है। उदाहरण के लिएए जब लड़कियों को शिक्षा मिलती हैए तो वे न केवल अपनी जिंदगी को बदलती हैंए बल्कि अपने परिवारों और समुदायों को भी सशक्त बनाती हैं। इसके अलावाए लिंग समानता का संबंध कार्यस्थल से भी है। हमें समान वेतन और समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। जब महिलाओं को काम करने का समान अवसर मिलता हैए तो इससे आर्थिक वृद्धि होती है और समाज में संतुलन बना रहता है तथा महिलाओं का सशक्तिकरण शिक्षा से शुरू होता है। एक शिक्षित महिला अपने अधिकारों को समझती है और अपने और अपने परिवार के भविष्य को बदलने की क्षमता रखती है। जब महिलाएं शिक्षित होती हैंए तो वे अपने बच्चों को भी बेहतर शिक्षा देती हैंए जिससे एक सकारात्मक चक्र चलता है तथा पीसीपीएनडीटी अधिनियम का उद्देश्य है लिंग सेलेक्टिव भ्रूण जांच और गर्भपात को रोकना। यह अधिनियम हमें यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि हर बच्चे को जन्म का अधिकार मिलेए चाहे उसका लिंग कुछ भी हो को विस्तृत रूप से जानकारी उपलब्ध करायी। संचालन कारागार अधीक्षक लाल रत्नाकर सिंह ने करते हुये सभी का आभार जताया। इस दौरान उप कारापाल शकुन्तला देवीए उप कारापाल जयनारायण भारती एवं न्यायालय से रोहित राठौर विकास उपस्थित रहे।

एसपी ने कोतवाली का किया आकस्मिक निरीक्षण, दिये निर्देश

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने रविवार की देर शाम थाना कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, हवालात आदि का निरीक्षण करते हुये सम्पूर्ण थाना परिसर में समुचित लाइट का प्रबन्ध करना एवं कार्यालय को स्वच्छ रखने हेतु निर्देशित किया गया। थाना कार्यालय के रजिस्टरों को चेक कर व्यवस्थित रख-रखाव हेतु निर्देश दिये गये। मुकदमों से संबंधित मालो का विधिक निस्तारण एवं सही रख-रखाव, हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। थाना पर लम्बित विवेचनाओं का गुण दोष के आधार पर विधिक निस्तारण करने व वांछितध्वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, अवैध शराब, मादक पदार्थों, पशु तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। आगामी त्यौहार धनतेरस, दीपावली आदि के दौरान बाजार में अत्यधिक भीड़-भाड़ होने के दृष्टिगत थाना प्रभारी कोतवाली ललितपुर को निरंतर बाजार में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। थाना पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को थाना प्रभारी द्वारा स्वयं सुनकर शत-प्रतिशत निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। थाना पर लंम्बित विवेचनाओं का गुण दोष के आधार पर विधिक निस्तारण करने व वांछितध्वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, अवैध शराब, मादक पदार्थों, पशु तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

सकल ब्राह्मण महासमिति ने धन्वंतरि प्रकटोत्सव पूर्व संध्या पर 108 दीपक जलाएं

ग्वालियर । सकल ब्राह्मण महासमिति ग्वालियर के तत्वाधान में प्रधान कार्यालय पर भगवान धन्वंतरि प्रकटोत्सव मध्यप्रदेश सनाढ्य सभा के अध्यक्ष अशोक शर्मा के मुख्य आतिथ्य में तथा सकल ब्राह्मण महासमिति के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। विशेष अतिथि के रूप में आदि गौड़ ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ अनिल शर्मा ,भार्गव समाज के पूर्व अध्यक्ष श्याम बाबू शर्मा, युवा पूर्व अध्यक्ष नितिन मिश्रा, भार्गव समाज के पूर्व युवा अध्यक्ष हेमंत एडिशन शर्मा, लाइब्रेरी के मुख्य संयोजक श्री ओपी शर्मा पाठक, ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज के महामंत्री डॉ मुन्नालाल शर्मा, रविंद्र नाथ नायक ,सोहनलाल जी एडवोकेट, महिला अध्यक्षा श्रीमती बीना भारद्वाज, ब्राह्मण सभा मुरार की अध्यक्षा कांता शर्मा , संरक्षिका श्रीमती सुधा दीक्षित ने भगवान श्री धन्वंतरि जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ उनका प्रकट उत्सव मनाया।
इस अवसर पर अतिथियों ने भगवान धन्वंतरि जी को तुलसी, दालचीनी, लौंग, जायफल, इलायची, अमृत रूपी पंचतंत्र का भोग लगाकर सभी उपस्थित विप्रजन मातृशक्ति को वितरित किए गए। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि राक्षसों देवताओं के बीच जब समुद्र मंथन हुआ था और उस मंथन में भगवान श्री धन्वंतरि जी आयुर्वेद को लेकर प्रकट हुए थे और कोरोना काल में जब पूरा विश्व त्राहि-त्राहि मचाए हुए था तब आयुर्वेद पद्धति ने मानव जाति की शारीरिक क्षमताओं को बढ़ाया और आज भी आयुर्वेद सर्वोत्तम चिकित्सा पद्धति है। भगवान धन्वंतरि जी सभी देशवासियो सनातनियों को उत्तम स्वास्थ्य के साथ दीर्घायु प्रदान करें । सकल ब्राह्मण महासमिति सभी की मंगल कामना करती है। ब्राह्मणों ने हमेशा से परमात्मा कार्य किए हैं इसलिए आज हम भगवान धन्वंतरि जी का पूजन कर रहे हैं। स्वागत श्रीमती अंजू दीक्षित ने दुप्पटा पहनाकर किया। संचालन शैलेंद्र सुधा दीक्षित ने किया। आभार श्रीमती रेनू शर्मा ने माना। इस अवसर पर रेनू शर्मा ,नीतू शर्मा. अंजू दीक्षित.संगीता शर्मा,सरिता त्रिपाठी. संध्या शर्मा. राधा शर्मा. किरन मिश्रा. शशी गोस्वामी.राधा शर्मा.शशी व्यास, अल्का मिश्रा, माया शर्मा, सहित अनेको उपस्थित थे।

बच्चों के आधार अपडेट कराने के लिये विशेष अभियान चलाएँः कलेक्टर

ग्वालियर। बच्चों के आधार अपडेट कराने एवं नए आधार बनाने के लिये दिवाली के बाद विशेष अभियान चलाकर स्कूलों में शिविर लगाएं। पाँच वर्ष की आयु पूरी कर चुके स्कूली बच्चों की बायोमैट्रिक अपडेट इन शिविरों में कराएँ। साथ ही 5 से 7 वर्ष और 15 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों के आधार में दस्तावेजों का अपडेशन भी कराया जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने जिले में उपलब्ध सभी आधार किटों को क्रियाशील करने पर बल दिया, जिससे आधार अपडेशन का काम तेजी से हो सके। सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधार किटों की संख्या ब?ाई जाए। साथ ही बैंकों से

संबंधित आधार पंजीयन केन्द्रों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। बच्चों के नए आधार नामांकन के लिये महिला एवं बाल विकास विभाग और इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की मोबाइल आधार किट से गाँवों में शिविर लगाने की बात भी उन्होंने कही। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों के आधार नामांकन सत्यापन से संबंधित प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, डिप्टी कलेक्टर नरेश गुप्ता व सूर्यकांत त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार, डीपीसी रविन्द्र सिंह तोमर, जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस आशीष जैन तथा यूआईडीएआई प्रबंधक, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक व महिला बाल विकास सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

दीपोत्सव के उपलक्ष्य में कलेक्टर ने बनाई सतरंगी रंगोली

ग्वालियर। दीपोत्सव के उपलक्ष्य में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अगुआई में गायक कलाकार मित्र समूह ने मनमोहक रंगोली बनाई। स्मार्ट सिटी के कंट्रोल एवं कमाण्ड सेंटर परिसर में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने रंगोली बनाने की शुरूआत की और शहरवासियों को मिलजुलकर और आपसी भाईचारे के साथ रोशनी का पर्व मनाने का संदेश दिया। भारतीय संस्कृति में पवित्र त्यौहारों एवं शुभ कार्यों के अवसर पर रंगोली बनाने की परंपरा सदियों से रची-बसी है। इसी भावना के अनुरूप गायक कलाकार मित्र समूह ने विशाल एवं मनमोहक रंगोली बनाई। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने रंगोली में भाग लेकर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। रंगोली के सृजन में गायक कलाकार मित्र समूह के सदस्यगण अनुराधा घो?के, डॉ. नीतू प्रसाद, हर्षदा गोखले, हर्षिका दुबे, अर्चना चौधरी, इंद्राणी दोहरे, डॉ. अर्चना दुबे, अमित गवाल्हेरकर, मोहिनी माहुलिकर का योगदान रहा। कार्यक्रम की परिकल्पना सुरेश घो?के की थी।

नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में किसानों को जागरूक करने प्रचार रथ रवाना
कलेक्टर ने दिखाई हरी झण्डी

ग्वालियर । फसल अवशेष (नरवाई) प्रबंधन के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिये कृषि अभियांत्रिकी एवं किसान कल्याण व कृषि विकास विभाग द्वारा जिले में जागरूकता रथ चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को कलेक्ट्रेट से हरी झण्डी दिखाकर इस रथ को ग्रामीण अंचल के लिये रवाना किया।
यह रथ जिले के विभिन्न ग्रामों में जाकर किसानों को नरवाई में आग लगाने से होने वाले नुकसान और इसके प्रबंधन से होने वाले फायदों के बारे में जागरूक करेगा। रथ के माध्यम से किसानों को बताया जायेगा कि नरवाई जलाने से प्रदूषण फैलता है। साथ ही मिट्टी की सेहत भी खराब होती है, जिससे उत्पादन घटता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशानुसार अब फसल अवशेष जलाने पर जुर्माने का प्रावधान भी किया गया। नरवाई जलाने से खेती की मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ कम होने के साथ-साथ लाभकारी सूक्ष्म जीव भी नष्ट हो जाते हैं। किसान भाईयों से अपील की गई है कि वे नरवाई में आग न लगाएँ बल्कि धान की कटाई के बाद सीधे ही हैप्पी सीडर व सुपर सीडर की सहायता से बुवाई कर दें। स्ट्रारीपर का उपयोग कर नरवाई का भूषा भी बनाया जा सकता है। रथ के शुभारंभ अवसर पर संभागीय कृषि यंत्री जीसी मर्सकोले, उप संचालक कृषि आरएस शाक्यवार व सहायक कृषि यंत्री त्रिलोकचंद पाटीदार उपस्थित थे।

बस्तियों में कपड़े, पटाखे, मिठाई बांटी

ग्वालियर। लायंस क्लब अनुभूति द्वारा प्रांतीय कार्यक्रम छोटी दिवाली के अंतर्गत बस्ती में जाकर फुलझड़ी, अनार, चकरी मिठाई, दीए, तेल, बिस्किट, टॉफी, साड़ी, कपड़े आदि वितरित किए गए। कार्यक्रम संयोजिका लायन प्रीति झा रही। इस मौके पर रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन मीनाक्षी गोयल, उपाध्यक्ष लायन कमल बनवारी, सचिव लायन हरिओम सिंघल, लायन गायत्री गर्ग आदि सदस्य उपस्थित रहे।

एमपी में सरकारी कर्मचारियों का डीए 4प्रतिशत बड़ा

मध्यप्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारी-अधिकारियों का 4त्र डीए बड़ा दिया है। इसका फायदा साढ़े सात लाख कर्मचारियों को मिलेगा। ये फैसला जनवरी 2024 से लागू होगा। अब प्रदेश के कर्मचारियों का डीए 46त्र से बड़कर 50त्र हो गया है। इससे उनको हर महीने 620 रुपए से 5640 रुपए का फायदा होगा। वहीं, 10 महीने के एरियर के रूप में 6200 से लेकर 56,400 रुपए तक मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को ये घोषणा करते हुए कहा, %राज्य सरकार ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का निर्णय लिया है। दीपावली के मौके पर इसकी बधाई डबल हो जाती है। 1 नवंबर मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस भी है। आप सब अपनी

लगन, मेहनत, सकारात्मक सोच के कारण पूरे देश के अधिकारियों-कर्मचारियों में विशेष पहचान रखते हैं। इस नाते सरकार का भी उत्तरदायित्व है कि आपके हितों का ध्यान रखें।

नवंबर के वेतन से मिलेगा नकद लाभ-डीए में 4त्र की वृद्धि का नकद लाभ कर्मचारियों को नवंबर के वेतन से मिलने लगेगा। दरअसल, दिवाली के कारण कर्मचारियों को अक्टूबर का वेतन जल्दी दिया जा रहा है। इस कारण वेतन के बिल भी जल्दी बनाए गए थे। इस फैसले से मध्यप्रदेश के सरकारी खजाने पर सालाना 1450 करोड़ रुपए का भार आने की संभावना है।

पेंशनरों को 46त्र ही महंगाई भत्ता-मध्यप्रदेश सरकार ने नियमित कर्मचारियों को तो 4त्र डीए दे दिया लेकिन प्रदेश के 4.50 लाख पेंशनरों को राहत नहीं दी है। यानी पेंशनरों को अब भी 46त्र ही महंगाई भत्ता मिलेगा। इससे वे नाराज हैं क्योंकि पिछली महंगाई राहत का भी उन्हें पूरा लाभ नहीं मिला है। केंद्र सरकार ने जुलाई 2023 से 4त्र महंगाई राहत दी थी और मध्यप्रदेश सरकार ने मार्च 2024 से। पेंशनर्स को इन 8 माह का एरियर भी नहीं दिया गया।

चमत्कारी हो तो रूस-युक्रेन का युद्ध बंद करके दिखाओ : पुण्डरीक महाराज

ग्वालियर। कोई ऐसा यंत्र मंत्र तंत्र नहीं है जो विधि के विधान को टाल सके। कलयुग में यंत्र मंत्र तंत्र नहीं षडयंत्र हो रहे हैं । यदि कोई शक्ति ऐसी है जो चमत्कार का दावा करती है,तो वह इस समय रूस और युक्रेन में चल रहे युद्ध को बंद कर शांति उत्पन्न कर दे,ऐसा करने वाले को हम अपनी ग्वालियर की कथा की दक्षिण भेंट कर देंगे। यह विचार आचार्य पुण्डरीक महाराज ने गोविंदपुरी में ओयजित हुई श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस सोमवार को व्यक्त किए। पुण्डरीक महाराज ने कहा कि जब तक हम कथा सुनते हैं, तब तक जीवन की व्यथा विस्मृत रहती है। सुख और दुख से मनुष्य जीवन बनता है,लेकिन कथा श्रवण के दौरान कुछ क्षणों के लिए हम अपने जीवन के दुख भुला देते हैं। कथा एक तरह से दुखों के निवारण का एनीस्थिमिया हैं, जब हम कथा सुनते हैं तो सांसारिक दुखो की ओर ध्यान ही नहीं जाता है। भक्ति का अंकुरण करती है कथा..... उन्होंने कहा कि सात दिन की कथा की सात दिन की स्मृति जीवन में भक्ति का अंकुरण करती है।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी में अंतर सीमांत लॉन टेनिस प्रतियोगिता 2024 का समापन

टेकनपुर । सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में खेल और प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 24 से 27 अक्टूबर तक अंतर सीमांत लॉन टेनिस प्रतियोगिता 2024 का भव्य आयोजन कियागया। इस प्रतियोगिता का आयोजन सेंट्रल स्कूल ऑफ मोटर ट्रांसपोर्ट (सीएसएमटी) टेकनपुर और अकादमी मुख्यालय के प्रांगण में किया गया जिसमें सीमा सुरक्षा बल के विभिन्न सीमांत मुख्यालयों की कुल 10 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताकेसमापन समारोह के दौरान ओपन डबल्स का फाइनल अयुब खान, उप कमांडेंट और चरण सिंह, उप कमांडेंट की टीम तथा प्रदीप कुमार उप कमांडेंट और कैलाश गोदारा,सहायक कमांडेंट की टीम के बीच हुआ जिसमें अयुब खान और चरण सिंह की टीम विजेता रही। टीम इवेंट का फाइनल दो उत्कृष्ट टीमों पंजाब सीमांत और दिल्ली सीमांत के बीच खेला गया। इस

महत्वपूर्ण और रोमांचक मुकाबले में दिल्ली सीमांत की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। दोनों टीमों ने अंतिम मैच में शानदार खेल दिखाया जिससे पूरे आयोजन में उत्साह की लहर दौड़ गई। अंतर सीमांत लॉन टेनिस प्रतियोगिता 2024 के समापन समारोह के अवसर पर अपर महानिदेशक निदेशक अकादमी सेवांग नामग्याल, टेकनपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने विजेता टीम के खिला?ियों को जीत की बधाई देते हुए ट्रॉफी प्रदान की। इसके साथ ही उपविजेता टीम को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। मुख्य अतिथि सेवांग नामग्यालने सेंट्रल स्कूल ऑफ मोटर ट्रांसपोर्ट(सीएसएमटी) टेकनपुर द्वारा प्रतियोगिता के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा सीएसएमटी टेकनपुर ने जिस तरह से इस प्रतियोगिता का सुचारु और प्रभावी ढंग से आयोजन किया है वह प्रशंसनीय है। आयोजन समिति और सभी सहयोगी कर्मचारियों ने अत्यंत अनुशासन और समर्पण के साथ इस प्रतियोगिता को सफल बनाया है। इस तरह के आयोजनों से न केवल खेल संस्कृति को बल मिलता है बल्कि यह अधिकारियों में शारीरिक और मानसिक सुदृ?ता का भी विकास करता है। सीएसएमटी का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है और ऐसे आयोजन सीमा सुरक्षा बल के विभिन्न विंग्स और फ्रंटियर्स को एकजुट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ग्वालियर में भी 29 अक्टूबर को होगा रन फॉर यूनिटी का आयोजन

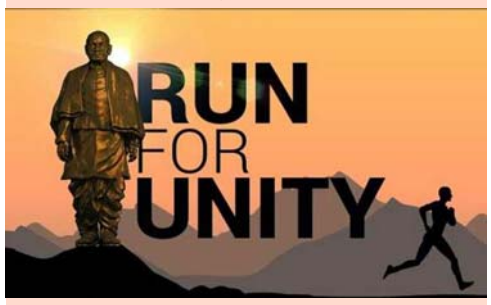

ग्वालियर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती ग्वालियर जिले में भी राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस उपलक्ष्य में 29 अक्टूबर को ÷रन फॉर यूनिटी÷ का आयोजन होगा। साथ ही देश की एकता व अखण्डता के लिए शपथ दिलाई जाएगी। रन फॉर यूनिटी प्रातः 9 बजे कंपू स्थित जिला खेल परिसर से शुरू होगी, जो कम्पू थाना, केआरजी कॉलेज, नया बाजार, माधव डिस्पेंसरी रोड, शीतला सहाय चौराहा व आमखो बस स्टैंड होते हुए वापस कम्पू खेल परिसर पहुँचेगी। दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान पर 31 अक्टूबर को न फॉर यूनिटी का आयोजन हो रहा है। ग्वालियर में रन फॉर यूनिटी के आयोजन में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह सहित जिला प्रशासन, पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारी, खिलाड़ी, युवा एवं गणमान्य नागरिक भाग लेंगे। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जोसेफ बक्सला ने शहरवासियों से रन फॉर यूनिटी में बढ़चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री उइके मंगलवार को ग्वालियर आयेंगे

ग्वालियर। केन्द्रीय आदिम जाति कल्याण राज्यमंत्री दुर्गादास उइके मंगलवार 29 अक्टूबर को ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे। श्री उइके इस दिन प्रातःकाल वंदे भारत एक्सप्रेस से ग्वालियर पहुँचेंगे। इसके बाद प्रातः 10.30 बजे भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान में पहुँचकर रोजगार मेले में भाग लेंगे। इस रोजगार मेले का आयोजन भारत सरकार के प्रधानमंत्री रोजगार मेला कार्यक्रम के तहत हो रहा है। भारतीय डाक विभाग के संभागीय कार्यालय ग्वालियर द्वारा इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। केन्द्रीय राज्यमंत्री उइके रोजगार मेले एवं अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद अपरान्ह लगभग 4 बजे पातालकोट एक्सप्रेस द्वारा बैतूल के लिये प्रस्थान करेंगे।

अ.भा. अग्र वैवाहिक केन्द्र की साप्ताहिक बैठक मंगलवार को

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्र वैवाहिक केन्द्र की मंगलवारीय 89वीं बैठक 29 अक्टूबर मंगलवार को दोपहर 3 से 5 बजे तक सुरेश चंद्र गुप्ता (बिंदल) के निवास एवं कार्यालय एफ-11 अग्र सदन चेतकपुरी में पीछे पानी की बड़ी टंकी, बाबड़ी के पास आयोजित की गई है। सर्वप्रथम 3 बजे सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ का वाचन कर आरती कर प्रसाद वितरण होगा। संस्थापक राजकुमार गर्ग (फतेह बाबा) ने सभी अग्र बंधुओं से आग्रह किया है कि अपने-अपने बच्चे- बच्चियों के फोटो युक्त बायोडाटा (उसमें एक फोटो परिवार सहित भी देना चाहिए) ज्यादा से ज्यादा सप्ताह में एक बार ग्रुप में शेयर करें और एक प्रति बैठक में साथ लेकर आयें, ताकि हम और आप एक दूसरे के साथ चर्चा कर सहयोग करने में सफल हो सकें, हम आपको आपकी इच्छा अनुसार कुछ संबंध बतायेंगे,और आपके साथ प्रयास करेंगे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478